RNI No. : TNHIN/2013/52520 ■ वर्ष - 13 ■ अंक - 289 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » सोमवार » 18-05-2026 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 रोनाल्डो का सऊदी अरब में ट्रॉफी जीतने का इंतजार बढ़ा
6 नियंत्रित अनिश्चितता के दौर में अमेरिका और चीन
7 'इमोशनल सपोर्ट' सायली-सचिन के रिश्ते की असली ताकत : नेहा हरसोरा

फर्स्ट टेक

उच्चतम न्यायालय में चार न्यायाधीश बढ़ाने के लिए अध्यादेश जारी

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या को वर्तमान 34 से बढ़ाकर 38 करने के लिए एक अध्यादेश जारी किया है। शीर्ष अदालत के मौजूदा न्यायाधीशों की संख्या में प्रधान न्यायाधीश भी शामिल हैं। विधि मंत्रालय ने शनिवार को अध्यादेश अधिसूचित किया, जिसमें उच्चतम न्यायालय (न्यायाधीशों की संख्या) अधिनियम, 1956 में संशोधन कर शीर्ष अदालत की स्वीकृत संख्या में वृद्धि की गई है। अब तक, प्रधान न्यायाधीश सहित उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या 34 थी। अब न्यायाधीशों की संख्या में चार की वृद्धि की गई है, जिससे स्वीकृत संख्या 38 हो गई है। फिलहाल, शीर्ष अदालत में दो पद रिक्त हैं।

ओडिशा के सोरो रेलवे स्टेशन पर 19 बच्चों को बचाया गया

बालासोर (ओडिशा)/भाषा। ओडिशा के बालासोर जिले के सोरो रेलवे स्टेशन से रेलवे पुलिस ने 19 नाबालिगों सहित 27 लोगों को बचाया है। पुलिस को संदेह था कि इन्हें तस्करी कर ले जाया जा रहा था। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। यह घटना शनिवार शाम को घटी जब एक समूह मयूरभंज जिले के कपतीपाड़ा और आसपास के इलाकों से बस से सोरो स्टेशन पहुंचा ताकि अंगुल जाने वाली ट्रेन पकड़ सके। उनकी गतिविधि पर संदेह होने पर रेलवे पुलिस ने उन्हें रोका और समूह के दो लोगों से पूछताछ की। पुलिस के अनुसार, उन्होंने बताया कि समूह रविवार से अंगुल में शुरू होने वाले तीन दिवसीय ग्रीष्मकालीन शिक्षा शिविर में भाग लेने जा रहा था। हालांकि, पुलिस को यह स्पष्टीकरण संतोषजनक नहीं लगा और उन सभी को हिरासत में ले लिया गया।

'अम्मा अरियान' कान फिल्म महोत्सव में प्रदर्शित हुई

नई दिल्ली/भाषा। मलयालम की बहुचर्चित फिल्म ''अम्मा अरियान'' को कान फिल्म महोत्सव की क्लासिक श्रेणी में नए सिरे से पुनर्स्थापित 4के संस्करण में प्रदर्शित किया गया। मूल रूप से 1986 में रिलीज हुई, 115 मिनट लंबी यह फिल्म भारतीय सिनेमा की सबसे क्रांतिकारी कृतियों में से एक मानी जाती है। इसका निर्देशन दिवंगत जॉन अब्राहम ने किया था, जो अपनी राजनीतिक रूप से प्रेरित और अपरंपरागत कहानी कहने की शैली के लिए जाने जाते थे। ''अम्मा अरियान'' 1987 में जॉन के निधन से पहले उनकी अंतिम फिल्म थी।

वेंकटेश और कोहली के अर्धशतक से

पंजाब को हराकर प्ले ऑफ में पहुंचा रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

धर्मशाला/भाषा। वेंकटेश अय्यर और विराट कोहली के अर्धशतक से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु इंडियन प्रीमियर लीग में रविवार को यहां पंजाब किंग्स को 23 रन से हराकर प्ले ऑफ में जगह पक्की करने वाली पहली टीम बनी।

लगातार तीसरी जीत के साथ बेंगलूरु की टीम के 13 मैच में 18 अंक हो गए हैं और टीम शीर्ष पर बरकरार है। लगातार छठी हार के बाद पंजाब की टीम 13 मैच में 13 अंक के साथ चौथे पायदान पर है।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु के 223 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए शशांक सिंह (56 रन, 27 गेंद, चार छक्के, चार चौके) के अर्धशतक और मार्कस स्टोइनिस (37 रन, 25 गेंद, पांच चौके) के साथ उनकी छठे विकेट की 67 रन की साझेदारी के बावजूद पंजाब की टीम आठ विकेट पर 199 रन ही बना सकी। कूपर कोनोली (37) और सूर्यांश शेडगे (35) ने भी उपयोगी पारियां खेली लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके।

बेंगलूरु की ओर से रसिक सलाम ने 36 रन देकर तीन जबकि भुवनेश्वर कुमार ने 38 रन देकर दो विकेट चटकाए।

बेंगलूरु की टीम ने वेंकटेश (नाबाद 73, 40 गेंद, आठ चौके, चार छक्के) की कोहली (58 रन, 37 गेंद, चार चौके, तीन छक्के) के साथ तीसरे विकेट के लिए 60 और टिम डेविड (12 गेंद में 28 रन, दो छक्के, दो चौके) के साथ चौथे विकेट के लिए 65 रन की साझेदारी से चार विकेट पर 222 रन बनाए।

कोहली ने कप्तान देवदत्त पडिक्कल (45) के साथ दूसरे विकेट के लिए 76 जोड़कर टीम को ठोस मंच प्रदान किया।

बार-बार पेपर लीक के बावजूद

मोदी शिक्षा मंत्री प्रधान को बर्खास्त क्यों नहीं कर रहे : राहुल गांधी

■ राहुल गांधी ने नीट पेपर लीक, सीबीएसई मूल्यांकन विवाद को लेकर धर्मेंद्र प्रधान पर साधा निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से पूछा कि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के कार्यकाल में बार-बार पेपर लीक होने के बावजूद वह उन्हें (प्रधान को) बर्खास्त क्यों नहीं कर रहे हैं।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष गांधी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में, इस मामले पर प्रधानमंत्री की ''चुप्पी'' को लेकर भी सवाल उठाया। गांधी ने कहा, ''नीट 2024: पेपर लीक हुआ। परीक्षा रद्द नहीं हुई। मंत्री ने इस्तीफा नहीं दिया। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने जांच शुरू की। एक समिति गठित की गई।''

उन्होंने कहा, ''नीट 2026: पेपर लीक हुआ। परीक्षा रद्द हुई। मंत्री ने अभी भी इस्तीफा नहीं दिया। सीबीआई फिर से जांच कर रही है। एक और समिति गठित की जाएगी।''

'प्रधान को बर्खास्त करो' हैशटैग का इस्तेमाल करते हुए गांधी ने कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी, देश आपसे कुछ सवाल पूछ रहा है- उनका जवाब दीजिए। बार-बार पेपर लीक क्यों हो रहे हैं? इस 'परीक्षा पे चर्चा' पर आप बार-बार चुप क्यों हैं? लगातार असफल हो रहे शिक्षा मंत्री को आप बर्खास्त क्यों नहीं कर रहे हैं?''

'परीक्षा पे चर्चा' एक ऐसा कार्यक्रम है, जिसमें प्रधानमंत्री छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों से बातचीत करते हैं। इस पहल का उद्देश्य छात्रों में आत्मविश्वास, सकारात्मकता और समग्र कल्याण को बढ़ावा देकर उनके परीक्षा अनुभव को नया रूप देना है।

प्रत्येक बच्चे तक शिक्षा पहुंचाना समाज और देश की जिम्मेदारी

■ यदि कोई एक व्यक्ति शिक्षा से वंचित रह जाता है, तो पूरे समाज और देश को लंबे समय तक इसके नकारात्मक परिणाम भुगतने पड़ते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ईरान और अमेरिका के बीच जारी तनाव का उल्लेख करते हुए रविवार को कहा कि यदि समाज का एक भी व्यक्ति शिक्षा से वंचित रह जाता है, तो उसके दुष्परिणाम पूरे देश को लंबे समय तक भुगतने पड़ते हैं।

मुख्यमंत्री ने 24,717 अंशकालिक अनुदेशकों के सम्मान समारोह और चेक वितरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही।

उन्होंने कहा, विवाद ईरान और अमेरिका के बीच है, लेकिन लगभग 200 देश इसके प्रभावों को झेल रहे हैं और दुनिया भर के करीब 800 करोड़ लोग प्रभावित हो रहे हैं। समाज में भी यही स्थिति होती है। यदि कोई एक व्यक्ति शिक्षा से वंचित रह जाता है, तो पूरे समाज और देश को लंबे समय तक इसके

नकारात्मक परिणाम भुगतने पड़ते हैं।

आदित्यनाथ ने कहा कि प्रत्येक बच्चे को स्कूल भेजना समाज और सरकार की सामूहिक जिम्मेदारी है।

मुख्यमंत्री ने अंशकालिक अनुदेशकों की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने अपनी मांगों को लेकर हमेशा संयम और अनुशासन का परिचय दिया है तथा कभी भी हिंसा या दबाव की राजनीति का सहारा नहीं लिया। उन्होंने कहा कि राज्य में स्कूल छोड़ने वाले बच्चों की संख्या में पिछले कुछ वर्षों में उल्लेखनीय कमी आई है।

आदित्यनाथ ने कहा, पहले राज्य में ड्रॉपआउट दर लगभग 17 से 18 प्रतिशत थी। यानी हर 100 बच्चों में से 17 या 18 बच्चे समय से पहले स्कूल छोड़ देते थे। आज इसे घटाकर लगभग तीन प्रतिशत कर दिया गया है और हमारा लक्ष्य इसे शून्य तक पहुंचाना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विकसित भारत' और 'आत्मनिर्भर भारत' के संकल्प को साकार करने के लिए सभी तक शिक्षा पहुंचाना आवश्यक है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्ष 2017 से पहले प्राथमिक शिक्षा व्यवस्था की स्थिति बेहद खराब थी और कई स्कूल बंद होने की कगार पर थे।

आदित्यनाथ ने कहा, जब राजनीतिक नेतृत्व भ्रष्ट और दिशाहीन होता है, तब असफलताओं के लिए शिक्षकों, अनुदेशकों और कर्मचारियों को दोषी ठहराया जाता है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्ष 2017 में ऐसे विद्यालयों से अनुदेशकों की सेवाएं समाप्त करने के प्रस्ताव लंबित थे, जहां छात्र संख्या 100 से कम थी, लेकिन उनकी सरकार ने ऐसा कदम नहीं उठाया।

कांगो, युगांडा में इबोला के प्रकोप के मद्देनजर

डब्ल्यूएचओ ने घोषित की वैश्विक स्वास्थ्य आपात स्थिति

अबुजा (नाइजीरिया)/एपी। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के महानिदेशक टेड्रोस अधानोम घेब्रेयेसस ने कांगो और युगांडा में इबोला के प्रकोप को रविवार को अंतरराष्ट्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात स्थिति घोषित कर दी। यह निर्णय इबोला के कारण 88 लोगों की मौत होने और 300 से अधिक संदिग्ध मामले दर्ज होने के बाद लिया गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि बंडीबुग्यो वायरस से फैले ये प्रकोप कोविड-19 जैसी वैश्विक महामारी की श्रेणी में नहीं आते हैं। हालांकि, संगठन ने देशों को अंतरराष्ट्रीय सीमाएं बंद नहीं करने की सलाह भी दी। इबोला अत्यधिक संक्रामक है और संक्रमित व्यक्ति के थूक, उल्टी, खून या वीर्य के माध्यम से फैल सकता है। यह बीमारी दुर्लभ है, लेकिन यह गंभीर और अक्सर जानलेवा होती है।

महिलाओं की गरिमा और सांस्कृतिक मूल्य भारत की असली ताकत : देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ', सुकन्या समृद्धि योजना, मुद्रा योजना और स्टार्टअप इंडिया जैसी पहलों ने महिलाओं को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदार बनाया है।

जयपुर/भाषा। राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने रविवार को कहा कि महिलाओं की गरिमा और सांस्कृतिक मूल्य भारत की वास्तविक शक्ति हैं और देश महिला नेतृत्व वाले विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

देवनानी ने 'कांस्टीट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान' में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। इस कार्यक्रम में राजस्थान विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति के एल शर्मा द्वारा संकलित पुस्तक 'गीता शर्मा: एन एक्स्ट्राऑर्डिनरी पर्सनैलिटी' का विमोचन किया गया। उन्होंने कहा कि भारतीय सभ्यता में प्राचीन काल से ही महिलाओं को शिक्षा, चिंतन और आध्यात्मिक स्वतंत्रता प्राप्त रही है, जिसका उदाहरण वैदिक काल की विदुषी गार्गी और मैत्रेयी हैं।

देवनानी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश महिला नेतृत्व वाले विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ', सुकन्या समृद्धि योजना, मुद्रा योजना और स्टार्टअप इंडिया जैसी पहलों ने महिलाओं को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदार बनाया है। उन्होंने कहा कि आज भारत की महिलाएं सशस्त्र बलों, अंतरिक्ष विज्ञान, प्रशासन, खेल और उद्यमिता जैसे क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं, जो समाज में व्यापक परिवर्तन का संकेत है।

भारत की सांस्कृतिक शक्ति का उल्लेख करते हुए देवनानी ने कहा कि देश की मूल शक्ति उसकी परंपराओं, आध्यात्मिकता और पारिवारिक मूल्यों में निहित है, जिसके कारण योग और आयुर्वेद जैसी भारतीय परंपराएं वैश्विक स्तर पर आकर्षण का केंद्र बन रही हैं।

इस अवसर पर उन्होंने छह बालिकाओं को छात्रवृत्ति भी प्रदान की।

18-05-2026 सूर्यास्त	19-05-2026 सूर्योदय
6:27 बजे	5:42 बजे

BSE	NSE
75,237.99 (-160.73)	23,643.50 (-46.10)

सोना	चांदी
16,158 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	275,000 रु. प्रति किलो

दो-दिवसीय दौरे पर स्वीडन पहुंचे मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने स्वीडिश समकक्ष क्रिस्टर्सन से बातचीत की

■ प्रधानमंत्री मोदी को स्वीडन के प्रतिष्ठित सम्मान 'रॉयल ऑर्डर ऑफ पोलर स्टार' से सम्मानित किया गया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोथेनबर्ग (स्वीडन)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को अपने स्वीडिश समकक्ष उल्फ क्रिस्टर्सन के साथ व्यापार, प्रौद्योगिकी, रक्षा और अन्य प्रमुख क्षेत्रों पर केंद्रित व्यापक वार्ता की।

स्वीडिश प्रधानमंत्री क्रिस्टर्सन ने दो-दिवसीय दौरे पर स्वीडन पहुंचे मोदी की गोथेनबर्ग हवाई अड्डे पर विशेष आगवानी की।

मोदी इससे पूर्व 2018 में पहले भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए स्वीडन आए थे।

इस बीच, प्रधानमंत्री मोदी को स्वीडन के प्रतिष्ठित सम्मान 'रॉयल ऑर्डर ऑफ पोलर स्टार' से सम्मानित किया गया। यह स्वीडन द्वारा किसी राष्ट्राध्यक्ष को दिया जाने वाला सर्वोच्च सम्मान है।

भारत-स्वीडन संबंधों में मोदी के असाधारण योगदान और दूरदर्शी नेतृत्व के लिए उन्हें इस सम्मान से सम्मानित किया गया।

दोनों पक्षों ने प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता के दौरान द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा की और पारस्परिक व्यापार को बढ़ाने के लिए सहयोग के नये रास्ते तलाशे।

वर्ष 2025 में दोनों देशों के बीच कारोबार 7.75 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया था।

बातचीत के दौरान, दोनों पक्षों ने स्वच्छ ऊर्जा विकल्पों को अपनाने, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), नई प्रौद्योगिकियों, स्टार्टअप, सुदृढ़ आपूर्ति शृंखलाओं, रक्षा, अंतरिक्ष, जलवायु परिवर्तन और दोनों देशों के नागरिकों के बीच संबंध जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया।

मोदी ने इससे पहले सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा था, ''मैं प्रधानमंत्री क्रिस्टर्सन से व्यापार, निवेश, नवाचार, रक्षा और अन्य क्षेत्रों में भारत-स्वीडन मित्रता को आगे बढ़ाने के लिए मुलाकात करूंगा।''

ड्रोन हमले के कारण यूएई में परमाणु ऊर्जा संयंत्र के बाहर आग लगी

दुबई/एपी। ड्रोन हमले के कारण रविवार को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में एक परमाणु ऊर्जा संयंत्र के बाहर आग लग गई। इसमें किसी के हताहत होने या रेडियोधर्मी विकिरण की सूचना नहीं मिली है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह ड्रोन हमला ऐसे समय हुआ है, जब अमेरिका और ईरान के बीच संघर्षविराम जारी है, लेकिन तनाव अब भी बहुत अधिक है और इससे पश्चिम एशिया में फिर से युद्ध छिड़ने का खतरा है। किसी ने भी संयंत्र पर हमले की जिम्मेदारी नहीं ली और यूएई ने भी किसी पर आरोप नहीं लगाया। हालांकि, यूएई ने हाल के दिनों में होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर बढ़ते तनाव के बीच ईरान पर कई ड्रोन और मिसाइल हमले करने का आरोप लगाया है। होर्मुज जलडमरूमध्य एक महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग है जिस पर ईरान का अब भी पूरा नियंत्रण है, जबकि अमेरिका ने ईरानी बंदरगाहों की नाकाबंदी कर रखी है। बरकाह संयंत्र यूएई की एक चौथाई ऊर्जा की आपूर्ति कर सकता है।

दिल्ली जा रही राजधानी एक्सप्रेस के एसी डिब्बे में लगी आग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रतलाम/कोटा/भाषा। मध्यप्रदेश के रतलाम जिले में तिरुवनंतपुरम से नई दिल्ली जा रही राजधानी एक्सप्रेस ट्रेन में रविवार सुबह आग लग गई, जिससे दो डिब्बे क्षतिग्रस्त हो गए और कई घंटों तक मुंबई-दिल्ली रेल मार्ग पर ट्रेनों की आवाजाही प्रभावित रही।

अधिकारियों ने बताया कि आग लगने से कोई हताहत नहीं हुआ है, लेकिन मरम्मत और अन्य उपकरण लेकर घटनास्थल पर जा रही एक वैन बाद में पलट गई, जिससे रेलवे के पांच कर्मचारी घायल हो गए।

इस घटना में ओवरहेड उपकरणों के क्षतिग्रस्त होने के कारण मुंबई-दिल्ली रेल मार्ग पर 10 से अधिक ट्रेनों का समय प्रभावित हुआ है। बाद में सात घंटे से अधिक समय के बाद रेल यातायात बहाल कर दिया गया, जबकि आग लगने के कारणों की जांच चल रही है। अधिकारियों ने बताया कि ट्रेन के जिस एसी डिब्बे में आग लगी थी, उसमें 68 यात्री सवार थे और आग लगने के 15 मिनट के भीतर डिब्बे को खाली करा लिया गया।

पश्चिम मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हर्षित श्रीवास्तव ने बताया कि तिरुवनंतपुरम-हजरत निजामुद्दीन राजधानी एक्सप्रेस (12431) के बी-1 डिब्बे में सुबह पांच बजकर 15 मिनट पर आग लगी।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

बेमेल मिलन

मिल जाए स्थिर सरकार अगर,
गठबंधन को भी सह लेंगे।
वर्ना दुर्भाग्य समझ करके,
जैसे-तैसे बस रह लेंगे।
इतिहास गवाही देता है,
संभवतः कुछ तो ढह लेंगे।
बेमेल मिलन ना हुए सफल,
बस कथा पुरानी कह लेंगे।।

तनाव और वैचारिक पतन इस युग की विकराल समस्या : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बल्लारी। यहां के पार्श्वनाथ जैन श्वेतांबर संघ के तत्वावधान में रविवार को नूतन माह के उपलक्ष्य में आयोजित सभा को संबोधित करते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि बीजमंत्र ध्वनि विज्ञान का अद्भुत आविष्कार है। उनका भावपूर्वक रटन हमें प्रमाद, निद्रा, तंद्रा और विषय-कषायों से मुक्त करने का प्रयत्न है। ध्यान आत्मा को परम तत्व के साथ एकाकार करता है। किसी भी आराध्य की उपासना का यही मार्ग है। आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि मानसिक तनाव और वैचारिक पतन वर्तमान युग की विकराल समस्याएं हैं। मंत्रजाप, नाम रटन और ध्यान से इन्हें काफी हद तक दूर किया जा सकता है। मन को शांत, स्वच्छ, स्थिर और सशक्त बनाने तथा उसे सकारात्मक ऊर्जा से भरने के लिये मंत्रजाप और ध्यान ही अमोघ उपाय हैं। ये बाह्य जगत की रोज की उलझनों, इच्छाओं और परेशानियों से निजात पाने के लिए अंतरतम की यात्रा है।

यह तथ्य हम सभी को सदैव स्मरण में रखना चाहिए कि एक न एक दिन बाह्य जगत की सारी दौड़-भाग निरर्थक सिद्ध होगी और दुनिया में चाहे जितना भटक लें, आखिरकार पहुंचना तो भीतर ही होगा। इसलिए जो जितना बाहर भटकते हैं, वे उतना वक्त गंवाते हैं और जो जितना भीतर उतरते हैं, वे उतना ही सार तत्व प्राप्त करते हैं। मनुष्य के जीवन का यही सही फलसफा है। पार्श्वनाथ जैन श्वेतांबर संघ के अनिल बागरेचा ने बताया कि रविवार को नूतन माह के शुभारंभ के उपलक्ष्य में संगीतमय मंत्रजाप और ह्रींकर ध्यान साधना का भावपूर्ण आयोजन किया गया। अंत में महामांगलिक का श्रवण कर कार्यक्रम का समापन हुआ।

द्विपक्षीय बातचीत से समुद्री मार्ग से कच्चे तेल की आपूर्ति में सुधार संभव : मूडीज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वैश्विक रेटिंग एजेंसी मूडीज ने कहा है कि अमेरिका और ईरान के बीच तनाव जल्द खत्म होने की संभावना कम है और ऐसे में होर्मुज जलडमरूमध्य के पूरी तरह खुलने की उम्मीद भी फिलहाल नहीं दिख रही है। एजेंसी ने अपनी भू-राजनीतिक जोखिम संबंधी वैश्विक रिपोर्ट में कहा कि ऊर्जा आपूर्ति के लिए समुद्री मार्गों पर आवाजाही धीरे-धीरे सुधर सकती है, लेकिन यह सामान्य तरीके से नहीं बल्कि द्विपक्षीय समझौतों के जरिये होगी। इसके तहत चीन, भारत, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे तेल आयातक देश ईरान के साथ अलग-अलग स्तर पर सुरक्षित मार्ग सुनिश्चित करने की कोशिश कर सकते हैं।

मूडीज के अनुसार, लारक द्वीप और ओमान के समुद्री क्षेत्र के पास कुछ समन्वित पारगमन गलियारे उभर रहे हैं, लेकिन 2026 में भी संघर्ष-पूर्व स्तर की आवाजाही बहाल होना मुश्किल दिखता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यदि अगले छह महीनों में जलडमरूमध्य में सुरक्षित आवाजाही फिर शुरू भी हो जाती है, तब भी वैश्विक तेल बाजार आपूर्ति संकट से जूझता रहेगा। इससे ऊर्जा कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव बना रहेगा और लागत, मांग तथा वित्तीय परिस्थितियों पर असर पड़ेगा।

मूडीज़ ने अनुमान जताया कि इस वर्ष ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतें 90 से 110 डॉलर प्रति बैरल के दायरे में रह सकती हैं। हालांकि, नए भू-राजनीतिक घटनाक्रमों के चलते कीमतों में इससे बाहर भी तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है।

एजेंसी के मुताबिक, यदि ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतें लंबे समय तक 90-110 डॉलर प्रति बैरल के बीच बनी रहती हैं तो कई बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर में 0.2 से 0.8 प्रतिशत अंक तक की कमी आ सकती है। मूडीज ने कहा कि भारत सबसे अधिक प्रभावित देशों में शामिल है क्योंकि उसके करीब 46 प्रतिशत कच्चे तेल का आयात पश्चिम एशिया से होता है। ऊंची तेल कीमतों से रुपए पर दबाव बढ़ सकता है और चालू खाते के घाटे (कैड) तथा राजकोषीय प्रबंधन पर असर पड़ सकता है।

डेयरी क्षेत्र की तेज वृद्धि से महिलाओं के जीवन में बड़ा बदलाव आया है : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गांधीनगर/भाषा। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि डेयरी क्षेत्र के व्यापक विस्तार से महिलाओं के जीवन में बड़ा बदलाव आया है और 'श्वेत क्रांति 2.0' से दुग्ध उत्पादकों की आय में और वृद्धि होगी। शाह गांधीनगर जिले के दशीला गांव में स्थित मधुर डेयरी के अत्याधुनिक दूध प्रसंस्करण और पैकेजिंग संयंत्र का उद्घाटन करने के लिए यहां आए थे। यह डेयरी अमूल ब्रांड के तहत गुजरात सहकारी दुग्ध वितरण संघ (जीसीएमएमएफ) से संबद्ध है। उन्होंने कहा कि डेयरी क्षेत्र की प्रगति का सबसे अधिक लाभ महिलाओं को मिला है।

शाह ने कहा, चार समितियों, 6,000 लीटर दूध और मात्र 7,000 रुपए के कारोबार से शुरू हुई यह यात्रा आज सात लाख करोड़ रुपए के कारोबार तक पहुंच चुकी है। यह हमारी सहकारी व्यवस्था की सबसे बड़ी सफलता है। उन्होंने कहा कि इस पहल से पशुपालकों की आय बढ़ी है, लेकिन इसकी सबसे बड़ी उपलब्धि महिलाओं का सशक्तीकरण है। शाह ने कहा कि डेयरी क्षेत्र से महिलाओं के जीवन में गहरा बदलाव आया है और 'श्वेत क्रांति 2.0' के तहत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अगले 10 वर्षों में देश के दुग्ध उत्पादन को तीन गुना करने की रणनीति तैयार की है। उन्होंने कहा, मैं यह कहना चाहूंगा कि अमूल और गुजरात के पूरे डेयरी उद्योग ने वैश्विक प्रौद्योगिकियों को सफलतापूर्वक अपनाकर पशुपालकों की आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। साथ ही ऐसा मजबूत तंत्र विकसित किया है, जिससे यह लाभ सीधे महिलाओं के बैंक खातों में पहुंच सके।

महाराष्ट्र सरकार 30 जून से पहले कृषि ऋण माफी योजना लागू करेगी : फडणवीस

पुणे/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को घोषणा की कि राज्य सरकार 30 जून से पहले कृषि ऋण माफी योजना लागू करेगी, क्योंकि तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच चुकी हैं। फडणवीस ने संवाददाताओं से कहा कि राज्य मंत्रिमंडल ने पहले ही विस्तृत चर्चा कर ली है और शेष कुछ जिलों से आंकड़े प्राप्त होने के बाद योजना को लागू किया जाएगा।

जब फडणवीस से मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे द्वारा आरक्षण मुद्दे पर नए सिरे से आंदोलन शुरू करने के दावे के बारे में पूछा गया, तो मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि राज्य सरकार ने समुदाय के लिए लगातार कदम उठाए हैं। फडणवीस ने कहा, ''विभिन्न संस्थान स्थापित किए गए हैं और मराठा युवा सिविल सेवा प्रतियोगियों की परीक्षाओं में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री नायडू ने 'विश्व दूरसंचार और सूचना समाज दिवस' पर वैज्ञानिकों का अभिवादन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने रविवार को 'विश्व दूरसंचार और सूचना समाज दिवस' के अवसर पर वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और छात्रों को बधाई दी।

उन्होंने राज्य में तेजी से विकसित हो क्वांटम प्रौद्योगिकी के पारिस्थितिकी तंत्र को रेखांकित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अवसर राष्ट्रों के भविष्य के लिए सुरक्षित संचार, विश्वसनीय डिजिटल अवसंरचना और साइबर सुरक्षा के महत्व को रेखांकित करता है। नायडू ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, आज विश्व दूरसंचार और सूचना समाज दिवस है। यह हमें याद दिलाता है कि सुरक्षित संचार, विश्वसनीय डिजिटल अवसंरचना और साइबर सुरक्षा राष्ट्रों के भविष्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। अमरावती क्वांटम वैली नवाचार, अनुसंधान और स्वदेशी प्रौद्योगिकी विकास द्वारा संचालित विश्व स्तरीय क्वांटम पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 14 अप्रैल को 'क्वांटम कंप्यूटिंग रेफरेंस फैसिलिटी' के आरंभ के बाद अमरावती क्वांटम वैली नवाचार, अनुसंधान और स्वदेशी प्रौद्योगिकी विकास द्वारा संचालित विश्व स्तरीय क्वांटम पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि अमरावती का एक निजी कॉलेज, सी-डॉट, भारत सरकार के दूरसंचार विभाग और अमरावती क्वांटम वैली के सहयोग से, संचार और साइबरस्पेस के लिए अपनी तरह का पहला क्वांटम-सुरक्षित संचार परीक्षण केंद्र स्थापित करेगा।

तेलंगाना में युवती की हत्या के आरोपी की भीड़ के हमले के बाद मौत

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के महबूबनगर जिले में एक युवती की हत्या के आरोपी युवक की भीड़ द्वारा पिटाई किए जाने के बाद अस्पताल में मौत हो गई। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि युवती ने आरोपी (30) के प्रेम प्रस्ताव को ठुकरा दिया था, जिससे वह नाराज था। उसने बताया कि शनिवार को जाडचेरला कस्बे में आरोपी ने 21 वर्षीय युवती पर उस वक्त चाकू से हमला कर दिया जब वह ऑटो रिक्शा से उतर रही थी। हमले में युवती की गर्दन पर गंभीर चोटें आईं। युवती को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मौके पर मौजूद लोगों ने कथित तौर पर आरोपी का पीछा कर उसे पकड़ लिया। पुलिस के मुताबिक, लोगों ने आरोपी को बांधकर पीटा। बाद में गंभीर हालत में उसे महबूबनगर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने बताया कि शनिवार रात करीब 11 बजे इलाज के दौरान आरोपी की मौत हो गई। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि आरोपी और युवती की जान-पहचान उस समय हुई थी, जब युवती हैदराबाद के एक निजी स्कूल में काम करती थी। अधिकारी के अनुसार, युवती द्वारा प्रेम प्रस्ताव ठुकराए जाने के बाद दोनों के बीच विवाद शुरू हो गए थे।

शारीरिक श्रम, अर्ध-कुशल नौकरियों के लिए अधिक महिलाएं, युवा कर रहे पलायन: रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। देश में शारीरिक श्रम करने वाले और अर्ध-कुशल सेवा कार्यों में लगे कर्मचारियों में अधिक महिलाएं और पहली बार नौकरी तलाश रहे युवा बेहतर रोजगार और अधिक वेतन के लिए अपने गृह नगरों से बाहर जा रहे हैं, जिससे जनवरी-अप्रैल, 2026 के दौरान नौकरी संबंधी पलायन में 31.4 प्रतिशत की सालाना वृद्धि दर्ज की गई है। एक रिपोर्ट में यह बात कही गई।

नौकरी के बारे में सूचना देने वाले मंच वर्कइंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, देश के श्रम बाजार में एक महत्वपूर्ण बदलाव देखा जा रहा है, जिसमें अधिक महिलाएं, फ्रेशर और विभिन्न क्षेत्रों के कामगार बेहतर अवसरों की तलाश में अपने शहर से बाहर नौकरी के लिए आवेदन कर रहे हैं।

आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी-अप्रैल, 2026 के दौरान अन्य शहरों के लिए 86 लाख नौकरी आवेदन किए गए, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह संख्या 65 लाख थी। यह 31.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

यह उसी शहर में किए गए आवेदनों की 20.2 प्रतिशत वृद्धि से काफी अधिक है, जिससे स्पष्ट होता है कि दूसरे शहरों में नौकरी तलाशने वाले कामगारों की संख्या स्थानीय स्तर पर नौकरी तलाशने वालों की तुलना में 1.5 गुना तेजी से बढ़ रही है।

इसके परिणामस्वरूप, मंच पर लगभग 24.1 प्रतिशत कामगार अब अपने गृह नगर से बाहर नौकरी के अवसर तलाश रहे हैं, जबकि एक वर्ष पहले यह आंकड़ा 22.5 प्रतिशत था। रिपोर्ट 3.5 करोड़ से अधिक नौकरी आवेदनों के विश्लेषण पर आधारित है।

लश्कर के आतंकी ने 'स्लीपर मॉड्यूल' स्थापित करने के लिए घुसपैठ के बाद बाल प्रतिरोपण कराया

श्रीनगर/भाषा। प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के लिए आतंकी हमलों को अंजाम देने के उद्देश्य से जम्मू-कश्मीर में घुसपैठ करने वाले एक पाकिस्तानी आतंकी ने अपने अभियान को कुछ समय के लिए रोककर बाल प्रतिरोपण का निजी सपना पूरा किया। अधिकारियों के अनुसार मोहम्मद उस्मान जट्ट उर्फ 'चाइनीज' ने पूछताछ में बताया कि कश्मीर में जीवन उसे आतंकवादी प्रशिक्षण शिविरों में सिखाई गई बातों से बिल्कुल अलग लगा और एक दुकानदार से इसके बारे में जानने के बाद वह श्रीनगर में बाल प्रतिरोपण करवाने गया।

इस मामले की जांच राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) कर रहा है। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि पूछताछ के दौरान जट्ट ने घाटी के उत्तरी हिस्से से जम्मू-कश्मीर में अपनी घुसपैठ और उन स्थानों के बारे में बताया, जहां वह कुछ समय तक रुका था। लाहौर निवासी और प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के प्रशिक्षित सदस्य जट्ट ने बताया कि उसने सिलसिलेवार हमलों को अंजाम देने के निर्देश पर सीमा पार की थी। अधिकारियों ने बताया कि वह उत्तरी और मध्य कश्मीर में आतंकी गतिविधियों में शामिल था। हालांकि, पूछताछ के दौरान उसने दावा किया कि लश्कर के सीमा पार प्रशिक्षण में जो बताया गया था, उसके विपरीत कश्मीर में आम जीवन की वास्तविकता को देखकर उसके उद्देश्य पूरी तरह बदल गए।

हैदराबाद में मवेशियों की संदिग्ध तस्करी को लेकर झड़प

हैदराबाद/भाषा। शहर में एक ट्रक में मवेशियों की संदिग्ध ढुलाई को लेकर हुए विवाद के बाद दो गुट आपस में भिड़ गए और एक-दूसरे पर पथराव किया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, यह घटना शनिवार देर रात गुडिमलकपुर थाना क्षेत्र में तब हुई जब स्थानीय गौरक्षकों के एक समूह ने वाहन को यह सोचकर रोका कि उसमें गाय ले जाई जा रही हैं। हालांकि, ट्रक में मवेशी नहीं थे और उसमें केवल प्लाईवुड लदा हुआ था।

इसने बताया कि एक समूह के सदस्यों ने ट्रक चालक और खलासी की पिटाई कर दी, जिसके परिणामस्वरूप स्थानीय लोगों के दो गुट आपस में भिड़ गए।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पीटीआई-भाषा को बताया कि भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया गया। उन्होंने कहा कि पथराव में दो पुलिसकर्मी भी घायल हो गए।

कार्यान्वयन चुनौतियों की वजह से सीमेंट क्षेत्र में निवेश प्रभावित हुआ : करण अदाणी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। देश की दूसरी सबसे बड़ी सीमेंट कंपनी अंबुजा सीमेंट ने अपनी विस्तार परियोजनाओं के कार्यान्वयन में देरी स्वीकार करते हुए कहा है कि वित्त वर्ष 2026-27 में उसका पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) 'मध्यम' स्तर पर रहेगा। कंपनी ने चालू वित्त वर्ष के लिए 6,000-6,500 करोड़ रुपए के निवेश का लक्ष्य रखा है, जबकि पिछले वित्त वर्ष में यह लगभग 7,500 करोड़ रुपए था।

कंपनी के निदेशक करण अदाणी ने तिमाही नतीजों के बाद निवेशकों के साथ हुई बातचीत में कहा कि सीमेंट कारोबार में परियोजनाओं के कार्यान्वयन का स्तर समूह की अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतर पाया है। इसके पीछे ठेकेदारों से जुड़ी समस्याएं, मजबूत निष्पादन टीम की कमी और अधूरी इंजीनियरिंग योजनाएं प्रमुख कारण रहीं। कंपनी फिलहाल 'रुककर सुधार' की रणनीति अपना रही है और नई परियोजनाएं शुरू करने से पहले मौजूदा परियोजनाओं को पूरा करना चाहती है। अदाणी ने माना कि कुछ मामलों में सही ठेकेदारों का चयन नहीं हो पाया, जिससे परियोजनाओं की गति प्रभावित हुई। अदाणी ने कहा कि एसीसी और अंबुजा सीमेंट के अधिग्रहण के बाद समूह के पास तैयार परियोजना निष्पादन टीम नहीं थी।

भारत के विकास पथ में सार्थक योगदान देने में आईआईटी समुदाय की भूमिका सराहनीय : राज्यपाल गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर की एक होटल में पैन आईआईटी पूर्व छात्र सम्मेलन-2026 का आयोजन किया गया जिसमें एआई, नवाचार, स्टार्टअप और भारत के भविष्य पर सार्थक चर्चा के लिए नेता, उद्यमी, प्रौद्योगिकीविद और आईआईटी पूर्व छात्र शामिल हुए। इस आयोजन का उद्घाटन के मौके पर पारंपरिक दीप प्रज्वलन समारोह में कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत, पैनआईआईटी एलुमनाई इंडिया के अध्यक्ष प्रभात कुमार, महासचिव अशोक कुमार, कर्नाटक सरकार में ई-गवर्नेंस के प्रधान सचिव पंकज कुमार पांडे और सम्मिट चेयर एवं पीकमाइंड के संस्थापक-सीईओ नीरज कुमार उपस्थित थे।

उद्घाटन के मौके पर कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने नवाचार को बढ़ावा देने, देश की ज्ञान अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और भारत के विकास पथ में सार्थक योगदान देने में आईआईटी समुदाय की भूमिका की सराहना की। इस मौके पर भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार डॉ. वी. अनंत नागेश्वरन ने कहा कि भारत 'संकट में नहीं, बल्कि एक निर्णायक मोड़ पर' खड़ा है और देश से आग्रह किया कि वह तेजी से बदलते वैश्विक परिदृश्य में अपना स्थान सुरक्षित करने के लिए तत्परता, रणनीतिक स्पष्टता और संस्थागत आत्मविश्वास के साथ कार्य करे। पैन आईआईटी एलुमनाई इंडिया के अध्यक्ष प्रभात कुमार, आईआरएस ने कहा, आईआईटी की कहानी भारत की कहानी है। सिलिकॉन वैली से लेकर बेंगलूरु में भारत की नई 'सिंधु घाटी' तक, यह यात्रा अब नवाचार, प्रौद्योगिकी में संप्रभुता, अनुसंधान, उद्यमिता और एक साथ मिलकर एक मजबूत भारत के निर्माण के बारे में है।

सीबीएसई के नौवीं कक्षा से त्रिभाषा फॉर्मूला लागू करने के मायने और प्रभाव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने 2026-27 शैक्षणिक सत्र शुरू होने के दो महीने बाद यानी एक जुलाई, 2026 से नौवीं कक्षा के लिए त्रिभाषा फॉर्मूला लागू करने के लिए अधिसूचना जारी की है।

इस सत्र के मायने और पड़ने वाले प्रभाव इस प्रकार हैं...

1) त्रिभाषा फॉर्मूला क्या है?

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 में त्रिभाषा फॉर्मूला के तहत छात्रों को तीन भाषाएं सीखनी अनिवार्य हैं, जिनमें कम से कम दो भारतीय भाषाएं होनी चाहिए। यह सूत्र सरकारी और निजी दोनों विद्यालयों पर लागू होगा, जिससे राज्यों को बिना किसी बाध्यता के भाषाएं चुनने की स्वतंत्रता मिलेगी।

2) त्रिभाषा फॉर्मूला का इतिहास क्या है?

इस सूत्र को पहले शिक्षा आयोग (1964-66) ने प्रस्तावित किया था, जिसे आधिकारिक तौर पर कोठारी आयोग के नाम से जाना जाता है। इसे तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनपीई) 1968 में औपचारिक रूप से अपनाया गया था। प्रधानमंत्री राजीव गांधी के नेतृत्व में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 में यह नीति दोहराई गई और भाषाई विविधता एवं राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने के लिए नरसिंह राव की कांग्रेस सरकार द्वारा 1992 में इसमें संशोधन किया गया।

इस फॉर्मूला में तीन भाषाएं शामिल थीं जिनमें मातृभाषा या क्षेत्रीय भाषा, आधिकारिक भाषा और एक आधुनिक भारतीय या यूरोपीय भाषा।

3) त्रिभाषा फॉर्मूला पर एनईपी 2020 क्या कहती है?

एनईपी में स्कूली स्तर से ही ''बहुभाषावाद को बढ़ावा देने के लिए त्रिभाषा फॉर्मूला लागू करने'' का प्रस्ताव है। दस्तावेज में कहा गया है कि ''संवैधानिक प्रावधानों, जनता, क्षेत्रों और संघ की आकांक्षाओं, बहुभाषावाद को बढ़ावा देने के साथ-साथ राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए'' त्रिभाषा फॉर्मूला लागू रहेगा।

हालांकि, नई नीति में यह भी कहा गया है कि त्रिभाषा फॉर्मूला में अधिक लचीलापन होगा और किसी भी राज्य पर कोई भाषा थोपी नहीं जाएगी।

इस नीति में कहा गया है कि बच्चों द्वारा सीखी जाने वाली तीन भाषाएं राज्यों, क्षेत्रों और निश्चित रूप से, स्वयं छात्रों की पसंद होंगी, बशर्ते कि इन तीन भाषाओं में से कम से कम दो भाषाएं भारतीय हों।

हिंदुस्तान कॉपर के खनन अपशिष्ट से यूरेनियम निकालेगी यूरेनियम कॉरपोरेशन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। परमाणु ऊर्जा विभाग के तहत आने वाली सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी यूरेनियम कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (यूसीआईएल) झारखंड में एक विशेष 'रिकवरी संयंत्र' स्थापित करेगी, जहां सरकारी कंपनी हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड (एचसीएल) के खनन अपशिष्ट (कॉपर टेलिंग्स) से यूरेनियम निकाला जाएगा। एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी।

यह पहल देश में परमाणु ऊर्जा उत्पादन और रक्षा जरूरतों के लिए घरेलू आपूर्ति बढ़ाने के लिहाज से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। हिंदुस्तान कॉपर के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) संजीव कुमार सिंह ने पीटीआई-भाषा के साथ साक्षात्कार में कहा कि तांबा उत्पादक कंपनी की इस बारे में यूसीआईएल के साथ सहमति बन गई है। इसके तहत हिंदुस्तान कॉपर अपने 'टेलिंग्स' यूसीआईएल को सौंपेगी, जिससे यूरेनियम निकाला जाएगा। 'टेलिंग्स' दरअसल वह बारीक अपशिष्ट पदार्थ और पानी होता है, जो तांबे जैसे खनिजों को अयस्क से अलग करने के बाद बच जाता है। सामान्य तौर पर इसे खनन अपशिष्ट माना जाता है, लेकिन इसमें कई बार अन्य खनिजों के अंश भी मौजूद रहते हैं। हिंदुस्तान कॉपर के अपशिष्ट में कम मात्रा में यूरेनियम पाया गया है। सिंह ने कहा, यूसीआईएल ने तकनीकी रूप से इस प्रस्ताव पर सहमति दी है, क्योंकि टेलिंग्स में मौजूद यूरेनियम को आधुनिक तकनीक की मदद से निकाला जा सकता है। उन्होंने बताया कि यूसीआईएल पहले इन अपशिष्ट का प्रसंस्करण करेगी। इसके बाद यूरेनियम निकाला जाएगा और बचा हुआ उपचारित पदार्थ फिर से हिंदुस्तान कॉपर को लौटा दिया जाएगा। यह पूरी प्रक्रिया आसान नहीं होगी, क्योंकि यूसीआईएल परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) के अधीन काम करती है।

तिमिल फिल्म उद्योग के लिए सरकार संचालित ओटीटी मंच शुरू करे सरकार : कमल हासन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। अभिनेता एवं राजनीतिक नेता कमल हासन ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय से मुलाकात कर तमिल फिल्म उद्योग से जुड़ी छह मांगों वाला एक ज्ञापन सौंपा।

इन मांगों में राज्य सरकार द्वारा संचालित ओटीटी मंच शुरू करने की मांग भी शामिल है।

हासन की पार्टी मक्कल नीधि मय्यम (एमएनएम), द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) की सहयोगी है और इसने 23 अप्रैल 2026 को हुआ तमिलनाडु विधानसभा चुनाव नहीं लड़ा था।

मक्कल नीधि मय्यम (एमएनएम) प्रमुख ने शनिवार देर रात 'एक्स' पर एक पोस्ट में मुख्यमंत्री को सौंपे गए पत्र का विस्तार से उल्लेख किया।

कमल हासन ने कहा, ''मैं तमिलनाडु सरकार से अनुरोध करता हूं कि वह राज्य सरकार संचालित एक ओटीटी मंच शुरू करे, जहां तमिल दर्शक तमिल सिनेमा, स्वतंत्र फिल्मों और वृत्तचित्रों को सस्ती एवं रियायती दरों पर देख सकें।''

अपनी दूसरी मांग में हासन ने कहा कि फिल्म निर्माण, उसका वितरण और सिनेमाघरों के संचालन की बढ़ती लागत को देखते हुए स्थानीय निकायों द्वारा लगाए जाने वाले चार प्रतिशत मनोरंजन कर को समाप्त किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे तमिल फिल्म उद्योग को काफी मदद मिलेगी।

हासन ने सरकार से 'पाइरेसी' रोधी एक मजबूत टीम गठित करने की भी मांग की। उन्होंने कहा कि 'पाइरेसी' से हजारों कलाकारों, तकनीशियनों और निर्माताओं की मेहनत तथा निवेश प्रभावित होता है।

हासन ने कहा, ''मैं तमिलनाडु पुलिस के साइबर अपराध विभाग के अंतर्गत एक समर्पित पाइरेसी रोधी प्रवर्तन टीम गठित करने का अनुरोध करता हूं, जिसे 'पायरेटेड' सामग्री को तत्काल हटाने की शक्ति प्राप्त हो।'' उन्होंने राज्य सरकार से प्रदेश के सभी सिनेमाघरों में फिल्मों के लिए प्रतिदिन पांच शो चलाने की अनुमति देने का भी आग्रह किया।

हासन ने कहा, ''इससे सिनेमाघरों की आय में वृद्धि होगी और फिल्म प्रदर्शन क्षेत्र को उबरने में मदद मिलेगी।''

अभिनेता हासन ने सिनेमाघरों की सुरक्षा के लिए तमिलनाडु में रिलीज होने वाली सभी फिल्मों के लिए आठ सप्ताह की अनिवार्य ओटीटी रिलीज अवधि तय करने की मांग भी की।

हासन ने कहा कि इससे सिनेमाघर मालिकों और वितरकों को आर्थिक रूप से टिके रहने में सहायता मिलेगी। उन्होंने राज्य सरकार से फिल्म निर्माण प्रोत्साहन योजना लागू करने का भी आग्रह किया।

निष्कासित विधायक कामराज को अयोग्यता का सामना करना पड़ेगा : दिनाकरन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुचिरापल्ली (तमिलनाडु) /भाषा। अम्मा मक्कल मुनेत्र कषगम (एएमएमके) प्रमुख टी टी वी दिनाकरन ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी के विधायक एस. कामराज को अयोग्यता कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा।

कामराज ने विश्वास मत के दौरान तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) सरकार का समर्थन किया था।

एएमएमके ने तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में 11 सीटों पर चुनाव लड़ा था और केवल मन्नारगुडी सीट जीती थी। एएमएमके राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का घटक दल है। गठबंधन में अन्नाद्रमुक, भारतीय जनता पार्टी, पट्टाली मक्कल काची शामिल हैं।

एएमएमके उम्मीदवार एस कामराज ने द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के वरिष्ठ नेता टी आर बी राजा को 1,566 मतों से हराकर चुनाव जीता था।

कामराज के सत्तारूढ़ टीवीके को एकतरफा समर्थन देने के कारण दिनाकरन ने 12 मई को उन्हें पार्टी से निष्कासित कर दिया था। उन्होंने कहा था, कामराज द्वारा किया गया कृत्य एएमएमके कार्यकर्ताओं, गठबंधन दलों के उन कार्यकर्ताओं के साथ बड़ा विश्वासघात है जिन्होंने उन पर भरोसा कर उन्हें वोट दिया।

यह घटनाक्रम दिनाकरन द्वारा टीवीके पर विधायक की खरीद-फरोख्त के आरोप लगाने के कुछ दिन बाद सामने आया है। टीवीके ने इन आरोपों को खारिज कर दिया था।

दिनाकरन ने यहां संवाददाताओं से कहा, मैंने अब कामराज को पार्टी से निष्कासित कर दिया है। अगर वह दूसरी तरफ (टीवीके) जाकर मंत्री बनना चाहते हैं और उन्हें पद मिलता है, तो वह ऐसा करें। फिर हम अगले कदम के बारे में सोचेंगे। केवल एक विधायक के दल बदलने पर भी अयोग्यता के प्रावधान लागू होंगे। उन्होंने आरोप लगाया, कामराज सोचते हैं कि वह पार्टी के अकेले विधायक हैं, इसलिए हम उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं कर सकते, लेकिन हम आवश्यक कदम उठाएंगे। टीवीके द्वारा उनका समर्थन स्वीकार करना कानूनी रूप से संदिग्ध है, जिसे हम विधायक की खरीद-फरोख्त का मामला मानते हैं। हम कड़ा विरोध करेंगे। दिनाकरन ने एम जी रामचंद्रन और पूर्व मुख्यमंत्री जे जयललिता की विरासत का उल्लेख करते हुए पार्टी नेताओं से एकजुट रहने और ऐसे जल्दबाजी भरे फैसलों से बचने की अपील की, जो कार्यकर्ताओं का मनोबल गिरा सकते हैं।

एएमएमके प्रमुख ने यह भी विश्वास जताया कि अन्नाद्रमुक अपनी चुनौतियों से उबरकर आगामी लोकसभा चुनाव में इतिहास रचेगी।

विजय के प्रति कोई 'ईर्ष्या' नहीं, स्टालिन से मुलाकात दोस्ताना: रजनीकांत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। दिग्गज अभिनेता रजनीकांत ने रविवार को मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय से ईर्ष्या होने की बात से इनकार किया और स्पष्ट किया कि द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के अध्यक्ष एम. के. स्टालिन के साथ उनकी हालिया मुलाकात पूरी तरह से मैत्रीपूर्ण थी और इसके पीछे कोई राजनीतिक मकसद नहीं था।

रजनीकांत ने पोएस गार्डन स्थित अपने घर पर पत्रकारों द्वारा कुछ खबरों को लेकर पूछे गए सवालों पर स्पष्ट किया कि पूर्व मुख्यमंत्री स्टालिन के साथ उनकी मुलाकात विजय को मुख्यमंत्री बनने से रोकने या राजनीतिक दलों के विलय का प्रयास नहीं थी।

तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के संस्थापक एवं मुख्यमंत्री विजय के प्रति किसी भी प्रकार की ईर्ष्या की बात को खारिज करते हुए उन्होंने कहा कि उनके व मुख्यमंत्री (विजय के) के बीच 25 साल का पीढ़ीगत अंतर है और उन्होंने विजय की कम उम्र में हासिल की गई प्रभावशाली उपलब्धियों की सराहना की, जो उनके अनुसार दिग्गज एमजीआर (एमजी रामचंद्रन) और एनटीआर (एन टी रामाराव) की उपलब्धियों से भी कहीं अधिक हैं। तमिल व तेलुगु सिनेमा के दो चहेते सितारे एमजीआर और एनटीआर क्रमशः तमिलनाडु और तत्कालीन अविभाजित आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे थे। रजनीकांत ने कहा, मैंने विजय को बचपन से देखा है। अगर वह मुख्यमंत्री बन गए तो मुझे उनसे ईर्ष्या क्यों होगी? वह भी महज 52 साल की उम्र में, उन्होंने एमजीआर और एनटीआर से कहीं अधिक उपलब्धियां हासिल की हैं। मुझे जरा भी ईर्ष्या नहीं है। रजनीकांत ने विजय को मुख्यमंत्री बनने की बधाई भी दी।

तिरुवनंतपुरम में यूडीएफ सरकार के शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियां जोर-शोर से जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल में कांग्रेस नेता वी डी सतीशन सोमवार को मुख्यमंत्री के रूप में पदभार ग्रहण करेंगे जहां संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) करीब एक दशक बाद सत्ता में लौटा है।

सतीशन के साथ-साथ 20 मंत्री भी सेंट्रल स्टेडियम में आयोजित होने वाले समारोह में शपथ लेंगे। सतीशन के साथ-साथ 20 मंत्री भी सेंट्रल स्टेडियम में आयोजित होने वाले समारोह में शपथ लेंगे। सेंट्रल स्टेडियम में तैयारियां जोर शोर से जारी हैं जहां शपथ ग्रहण समारोह के लिए एक विशाल मंच तैयार किया जा रहा है। स्टेडियम में शपथग्रहण के दौरान हजारों पार्टी कार्यकर्ता, राष्ट्रीय राजनीतिक हस्तियों एवं स्थानीय गणमान्य व्यक्तियों के लिए बैठने की व्यवस्था की जा रही है। साथ ही इस दौरान बारिश से बचाव के इंतजाम भी किए जा रहे हैं। सोमवार सुबह होने वाले इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम से पहले समूचे तिरुवनंतपुरम में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

बड़ी संख्या में अति विशिष्ट व्यक्तियों (वीआईपी) और यूडीएफ समर्थकों के तिरुवनंतपुरम आने के मद्देनजर विशेष यातायात व्यवस्था भी की गई है। कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ गठबंधन ने हाल में हुए विधानसभा चुनाव में निर्णायक जीत हासिल की थी और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के नेतृत्व वाले वाम लोकतांत्रिक मोर्चे (एलडीएफ) को सत्ता से बेदखल कर दिया था।

पिछले पांच वर्षों से विपक्ष के नेता रहे सतीशन (61) को पार्टी के जनाधार को फिर से मजबूत करने का श्रेय दिया जा रहा है।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) द्वारा सतीशन को अगला मुख्यमंत्री घोषित किए जाने के बाद से उन्होंने गठबंधन सहयोगियों के साथ नए मंत्रिमंडल को अंतिम रूप देने के लिए कई बैठकें की हैं।

समर्थकों का कहना है कि यह जनादेश परिवर्तन को लेकर लोगों की मजबूत आकांक्षा को दर्शाता है। कांग्रेस सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस शासित और पड़ोसी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को कार्यक्रम में शामिल होने के लिए निमंत्रण भेजा गया है।

राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाद्रा और मल्लिकार्जुन खरगे सहित पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के भी शपथग्रहण में उपस्थित रहने की उम्मीद है।

सभी 140 विधायकों को भी कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया है। सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी जोसफ विजय कार्यक्रम में शामिल होंगे या नहीं।

कांग्रेस सूत्रों ने बताया कि उन्हें पहले ही आमंत्रित किया जा चुका है और कार्यक्रम में उनकी उपस्थिति की पुष्टि रविवार को होने की उम्मीद है।

पुडुचेरी: अन्नाद्रमुक विधायक आंबलगन आज विधानसभा के अस्थायी अध्यक्ष के रूप में शपथ लेंगे

पुडुचेरी/भाषा। पुडुचेरी में ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के एकमात्र विधायक ए. अंबालगन सोमवार को विधानसभा के अस्थायी अध्यक्ष के रूप में शपथ लेंगे। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि उपराज्यपाल के. कैलाशनाथन लोक निवास स्थित दरबार हॉल में अंबालगन को पद की शपथ दिलाएंगे। अंबालगन उप्पलम निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने 2001, 2006, 2011 और 2016 में उप्पलम से चुनाव जीता था, लेकिन 2021 के चुनाव में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। अन्नाद्रमुक, ऑल इंडिया एनआर कांग्रेस (एआईएनआरसी) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में एक घटक दल है। इस गठबंधन में भाजपा भी शामिल है।

भाजपा ने केरल के लिए 13 सूत्रीय एजेंडा तैयार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ओबीसी और अल्पसंख्यकों से जुड़ाव पर ध्यान केंद्रित

तिरुवनंतपुरम/भाषा। हालिया केरल विधानसभा चुनाव में तीन सीटों पर जीत से उत्साहित भाजपा ने 13 सूत्रीय राजनीतिक एजेंडा तैयार किया है, जिसके बारे में उसका कहना है कि यह आगामी लोकसभा चुनाव से पहले राज्य में उसकी रणनीति को आकार देगा।

पार्टी ने इस एजेंडे में हिंदू पिछड़े समुदायों के बीच समर्थन को मजबूत करने, साथ ही अल्पसंख्यक समूहों तक पार्टी की पहुंच को भी नए सिरे से मजबूत करने पर स्पष्ट रूप से ध्यान केंद्रित किया है। पार्टी के एक सूत्र ने बताया कि यह एजेंडा शनिवार को प्रदेश अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर की अध्यक्षता में आयोजित भाजपा प्रदेश कोर कमेटी की बैठक में अपनाए गए एक राजनीतिक प्रस्ताव का हिस्सा है। सूत्रों के अनुसार, विधानसभा चुनाव से पहले अल्पसंख्यक समुदायों, विशेष रूप से ईसाइयों के साथ घनिष्ठ संबंध बनाने के पहले के प्रयासों के बावजूद, पार्टी के दस्तावेज में उनके प्रति नई संपर्क पहलों की स्पष्ट रूपरेखा नहीं दी गई है।

हालांकि, सूत्र ने बताया कि विभिन्न कारणों से वे प्रयास जारी नहीं रह सके। अल्पसंख्यक समुदाय तक पहुंच के संबंध में, सूत्र ने बताया कि पार्टी ने ईसाई समुदाय के साथ अपना जुड़ाव कम नहीं किया है, और उसके सदस्य कई जिलों में संगठनात्मक पदों पर बने हुए हैं। हालांकि, कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ के साथ कई बिशप के बढ़ते राजनीतिक झुकाव के बीच, चर्च नेतृत्व के साथ संस्थागत संबंध बनाने के प्रयासों से पार्टी पीछे हट गई है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, यह अनौपचारिक बदलाव केंद्र सरकार द्वारा विवादास्पद विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम (एफसीआरए) संशोधन विधेयक, 2026 को संसद में पेश करने के कदम के कैथोलिक चर्च के कड़े विरोध के बाद हुआ। यह एक ऐसा घटनाक्रम रहा, जिसके कारण केरल विधानसभा चुनाव अभियान के दौरान भाजपा को बचाव की मुद्रा में आना पड़ा। वहीं दूसरी ओर, भाजपा का एजेंडा हिंदू पिछड़े समुदायों पर विशेष जोर देता है, खासकर ओबीसी आरक्षण पर अपने रुख के माध्यम से, जिसमें कहा गया है कि इसे धार्मिक आरक्षण की आड़ में लागू नहीं किया जाना चाहिए।

ऐसा माना जा रहा है कि भाजपा प्रमुख सामाजिक समूहों तक अपनी पहुंच मजबूत करने का प्रयास कर रही है। इसमें संख्यात्मक रूप से महत्वपूर्ण एझवा समुदाय भी शामिल है, जो राज्य के दो प्रमुख वामपंथी दलों – मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) को महत्वपूर्ण समर्थन देता रहा है। आरक्षण के मुद्दे पर भाजपा ने कहा कि ''ओबीसी आरक्षण की आड़ में धार्मिक आरक्षण को पूरी तरह से समाप्त कर देना चाहिए'' और आरक्षण नीतियां ओबीसी, एससी/एसटी और ईडब्ल्यूएस श्रेणियों तक ही सीमित होनी चाहिए। प्रस्ताव में यह भी कहा गया कि किसी भी समूह को 'तुष्टीकरण' के माध्यम से तरजीही व्यवहार नहीं मिलना चाहिए और सभी मलयालियों के लिए समान अवसरों की आवश्यकता है। चंद्रशेखर ने कहा, ''भाजपा पिछड़े वर्ग के आरक्षण को धर्म आधारित आरक्षण में नहीं बदलने देगी।''

पार्टी का आरोप है कि अल्पसंख्यक समुदाय के एक वर्ग को ओबीसी श्रेणी के तहत आरक्षण मिलता है और उसका तर्क है कि इसे समाप्त किया जाना चाहिए। इस प्रस्ताव में शबरिमला मुद्दे को उठाकर एवं मंदिर की संपत्तियों एवं परिसंपत्तियों के ऑडिट की मांग करके पार्टी के मूल हिंदुत्ववादी रुख को और मजबूत किया गया है, जो इसकी सामाजिक पहुंच रणनीति के साथ-साथ धार्मिक एवं सांस्कृतिक लामबंदी पर इसके निरंतर जोर को रेखांकित करता है।

केरल: नामित मुख्यमंत्री सतीशन ने साथ शपथ लेने वाले मंत्रियों के नामों की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के नामित मुख्यमंत्री वीडी सतीशन ने उनके मंत्रिमंडल में शामिल होने वाले सदस्यों के नामों की घोषणा रविवार को की। सतीशन और उनके मंत्रिमंडल के सदस्य सोमवार को शपथ ग्रहण करेंगे। उन्होंने कहा कि गठबंधन के नेताओं के साथ चर्चा के बाद मंत्रियों की सूची को अंतिम रूप दिया गया है और इस दौरान गठबंधन के भीतर सामाजिक और क्षेत्रीय संतुलन को ध्यान में रखा गया है।

सतीशन ने कहा कि पार्टी के वरिष्ठ नेताओं रमेश चेन्निथला, के मुरलीधरन और सनी जोसेफ को मंत्रिमंडल में शामिल किया जाएगा। केरल की सत्ता पर 10 साल बाद काबिज होने जा रहे कांग्रेस नीत संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) ने वरिष्ठ विधायक थिरुवनचूर राधाकृष्णन को विधानसभा अध्यक्ष नामित करने का फैसला किया गया, जबकि शनिमोल उस्मान उपाध्यक्ष के रूप में कार्य करेंगे।

सतीशन ने कहा कि कांग्रेस को 63 सीटें मिलने के बावजूद कई योग्य नेताओं को मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिल सकी। उन्होंने इसे राज्य में पार्टी की सबसे बड़ी जीत में से एक बताया।

नामित मुख्यमंत्री ने कहा, ''सूची में शामिल और सूची से बाहर भी कई योग्य नेता हैं। लेकिन कांग्रेस जैसी पार्टी को ऐसे निर्णय लेते समय सामाजिक संतुलन, क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व और कई अन्य कारकों पर विचार करना होता है।'' उन्होंने कहा कि गठबंधन सहयोगियों के बीच विभागों के आवंटन पर चर्चा लगभग पूरी हो चुकी है, केवल कुछ मामूली मामले लंबित है।

अंतिम सूची औपचारिक रूप से राज्यपाल को प्रस्तुत की जाएगी और अनुमोदन के बाद आधिकारिक राजपत्र के माध्यम से अधिसूचित की जाएगी।

केरल में कांग्रेस नेता सतीशन के नेतृत्व वाले मंत्रिमंडल में आईयूएमएल के पांच मंत्री

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल में कांग्रेस की प्रमुख सहयोगी इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) ने रविवार को कहा कि राज्य में मुख्यमंत्री पद के लिए नामित वीडी सतीशन के नेतृत्व वाले नए मंत्रिमंडल में पार्टी के पांच मंत्री शामिल होंगे।

आईयूएमएल प्रमुख पनाक्कड़ सादिक अली शिहाब थंगल ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि नई सरकार में पार्टी के पांच नेताओं को मंत्री पद सौंपने का फैसला लिया गया है, जिनमें पीके कुन्हालीकुट्टी, एन शम्सुद्दीन, के एम शाजी, पी के बशीर और वीई अब्दुल गफूर शामिल हैं।

थंगल ने कहा कि यह फैसला आंतरिक चर्चाओं के बाद और गठबंधन के सत्ता-साझेदारी समझौते के अनुसार लिया गया है।

यूडीएफ सरकार के पास मंत्रियों की 'सबसे सक्षम टीम में से एक' होगी : वेणुगोपाल

अलप्पुझा (केरल)/ भाषा। केरल में वी. डी. सतीशन के नेतृत्व वाली सरकार के शपथ ग्रहण समारोह से पहले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता के. सी. वेणुगोपाल ने रविवार को कहा कि संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) सरकार के पास मंत्रियों की सबसे सक्षम टीम में से एक होगी और वह जनता की आकांक्षाओं के अनुरूप आगे बढ़ेगी।

पत्रकारों से यहां बात करते हुए कांग्रेस के संगठन महासचिव ने कहा कि सोमवार को शपथ ग्रहण समारोह से पहले मंत्रियों के नामों की घोषणा की जाएगी। उन्होंने कहा, यूडीएफ सरकार में हमारे पास मंत्रियों की सबसे सक्षम टीम में से एक होगी। राज्य एक ऐसी नई शासन व्यवस्था की आशा में प्रतीक्षा कर रहा है, जो अनावश्यक विवादों में उलझने के बजाय सार्थक परिवर्तन ला सके और जनता के लिए कार्य कर सके।

यूडीएफ सरकार इस जिम्मेदारी के लिए खुद को तैयार कर रही है और उसे कार्य करने के लिए समय दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान यूडीएफ द्वारा दी गई पांचों गारंटी लागू की जाएंगी। इन गारंटियों में महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा और कॉलेज जाने वाली छात्राओं के लिए 1,000 रुपए की मासिक सहायता शामिल है।

सवारी डिब्बा कारखाना

निम्नलिखित ई निविदाएं आईआरईपीएस वेबसाइट पर प्रकाशित की गई हैं। फर्मों से अनुरोध है कि वे **www.ireps.gov.in** पर लॉग इन करें और निविदा के लिए कोट करें। निविदा के लिए मैनुअल कोटेशन पर विचार नहीं किया जाएगा।

खुली निविदा सं.	मद का संक्षिप्त विवरण	निविदा का मूल्य (₹)	निविदा बंद होने की तारीख/खुलने का तारीख
2026499212218	एलडब्ल्यूएससीएन और एलडब्ल्यू एफसी डब्ल्यू कोचों में आंतरिक फिटिंग कार्यों की इन्सटालेशन के साथ फ्लोरिंग, पैनलिंग, प्लंबिंग को शामिल करते हुए आंतरिक साज–सज्जा (यांत्रिक) कार्य तथा एलएचबी एसी पीपी 3.0 कोचों के लिए फ्लोरिंग, प्लंबिंग कार्य एवं बाहरी साज–सज्जा की इन्सटालेशन हेतु कार्य अनुबंध।	1,39,51,257.58	निविदा बंद होने की तारीख : 09.06.2026 को 14.45 बजे / खुलने की तारीख 09.06.2026 को 15.00 बजे

उप मुख्य यांत्रित इंजीनियर फर/–II

सवारी डिब्बा कारखाना

निम्नलिखित ई निविदाएं आईआरईपीएस वेबसाइट पर प्रकाशित की गई हैं। फर्मों से अनुरोध है कि वे **www.ireps.gov.in** पर लॉग इन करें और निविदा के लिए कोट करें। निविदा के लिए मैनुअल कोटेशन पर विचार नहीं किया जाएगा।

खुली निविदा संख्या	आइटम का संक्षिप्त विवरण	निविदा मूल्य (₹)	निविदा की तिथि अंतिम तिथि और समय
2026476212198	शेल डिवीजन/आईसीएफ के शॉप–23 में उपलब्ध आईजीएम निर्मित रोबोटिक वेल्डिंग मैनिपुलेटर (इन्व. नं. 2536) के रेट्रो–फिटमेंट और उसके बाद दो साल की वारंटी हेतु कार्य अनुबंध।	रु.1,19,98,838/-	दिनांक 30.05.2026 के 13.00 बजे तक

सहायक कर्मशाला इंजीनियर/संयंत्र/शेल

सवारी डिब्बा कारखाना

निविदा सूचना सं. 2026235212194 दिनांक: 13.05.2026

निम्नलिखित ई निविदाएं आईआरईपीएस (IREPS) वेबसाइट पर प्रकाशित की गई हैं। फर्मों से अनुरोध है कि वे **www.ireps.gov.in** पर लॉग इन करें और निविदा के लिए कोट करें। निविदा के लिए मैनुअल कोटेशन पर विचार नहीं किया जाएगा।

क्रम सं.	खुली निविदा सं.	मद का संक्षिप्त विवरण	निविदा का मूल्य (₹)	निविदा फार्म जमा करने की अंतिम तारीख/खुलने की तारीख
1.	2026235212194	सवारी डिब्बा कारखाना, चेन्नै में एलएसएलआरडी/एलएसएल आरडी(एबी)/एलवीपीहेच/एलडब्ल्यूसीबी(एबी) कोचों में संपूर्ण वायरिंग कार्य, जिसमें उपकरणों की हैंडलिंग और इंस्टॉलेशन भी शामिल हैं।	1,52,59,983,51/-	03.06.2026 को 15.00 बजे

उप मुख्य बिजली इंजीनियर फर/–II

सवारी डिब्बा कारखाना

निविदा सूचना सं. सडिका/बिजली/निर्माण/2026–27 दिनांक: 18.05.2026

भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से उप मुख्य बिजली इंजीनियर/अनु/शेल, सवारी डिब्बा कारखाना निम्नलिखित कार्य के लिए ई–निविदा आमंत्रित करते हैं।

निविदा सं.	कार्य का नाम	अनुमानित मूल्य (रुपए लाख में)	बयाना राशि रुपए में	निविदा बंद करने की तारीख और समय
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
2026245212219	ईएल–डब्ल्यू–927 अधिकारियों के लिए इंटीग्रल क्लब में सुधार के लिए विद्युत कार्य	68.90	1,37,800/-	09.06.2026 को 15:30 बजे
2026245212220	ईएल–डब्ल्यू–928 क्लाइमेटिक टेस्ट चैंबर हेतु विद्युत आपूर्ति व्यवस्था	761.71	15,23,400/-	09.06.2026 को 15:30 बजे

आवेदन जमा करने की वेबसाइट: **www.ireps.gov.in**

मंत्री कन्हैया लाल चौधरी ने रात्रि चौपाल में सुनी आमजन की समस्याएं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को बगरू के ठीकरिया ग्राम से वीसी के जरिए प्रदेशभर में आयोजित ग्राम रथ समापन समारोह को संबोधित किया। टोंक जिले की मालपुरा विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत चांदसेन में आयोजित ग्राम विकास चौपाल में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ग्रामीणों ने यह लाइव प्रसारण देखा।

इस कार्यक्रम में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैया लाल चौधरी, जिला कलेक्टर टीना डाबी समेत जिले के आला अधिकारी भी जुड़े। कार्यक्रम के पश्चात कैबिनेट मंत्री ने रात्रि चौपाल कर ग्रामीणों की व्यक्तिगत एवं सार्वजनिक समस्याओं को सुना एवं अधिकारियों को त्वरित समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने लगभग 70 से अधिक परिवादों को सुना। कैबिनेट मंत्री ने इस दौरान एक घुमंतू गाड़िया लोहार परिवार की बालिका के बीए पास करने पर अपने निजी कोष से स्कूटी प्रदान करने की घोषणा की।

इस अवसर पर जलदाय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में किसानों को सम्मान निधि, पशुपालकों को ब्याजमुक्त ऋण तथा महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं। प्रदेश में सहकारिता एवं डेयरी क्षेत्र को मजबूत बनाया जा रहा है तथा किसानों को आधुनिक एवं जैविक खेती अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इससे किसानों की पैदावार व आय में वृद्धि हो रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री के ऊर्जा संरक्षण एवं स्वच्छ परिवहन के आह्वान को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान करते हुए कहा कि वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए आमजन ईंधन का कम उपयोग करें। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों को दी गई। ग्राम रथों की एलईडी स्क्रीन के माध्यम से राज्य सरकार की उपलब्धियों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रसारण किया गया। इसमें ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।इस अवसर पर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी परशुराम धानका, अतिरिक्त जिला कलक्टर विनोद कुमार मीणा, उपखंड अधिकारी कपिल शर्मा समेत विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी, जनप्रतिनिधि, बड़ी संख्या में लाभार्थी एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

युवक को बंधक बनाकर यातनाएं देने के मामले में छह लोग गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में अजमेर जिले के एक गांव में रंजिश के चलते एक व्यक्ति का अपहरण कर उसे यातनाएं देने के आरोप में छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें एक महिला भी शामिल है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने दर्ज मामले के आधार पर बताया कि गगवाना गांव में जीतू नामक व्यक्ति को आरोपियों ने बंधक बनाकर पीटा, उसे जूतों-चप्पलों की माला पहनाई और पेशाब पीने के लिए विवश किया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद क्षेत्र में आक्रोश फैल गया।

वीडियो सामने आने के बाद पीड़ित का परिवार गेगल थाने पहुंचा और पुलिस कार्रवाई में देरी का आरोप लगाते हुए प्रदर्शन किया। स्थिति को देखते हुए क्षेत्राधिकारी (ग्रामीण) रामचंद्र चौधरी मौके पर पहुंचे और त्वरित कार्रवाई का आश्वासन दिया। पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाल ने बताया कि शनिवार शाम मामला दर्ज कर विशेष टीम बनाई गईं और छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने कहा कि अपराध में प्रयुक्त वाहन भी जब्त कर लिए गए हैं, तथा अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

शिक्षक मन परिवर्तन कर राष्ट्र विकास के लिए कार्य करें : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि प्रशासनिक पदों पर चयनित अधिकारी पिछडे और कमजोर वर्ग के लोगों की समस्याओं के समाधान का विशेष ध्यान रखें। इसी से जीवन में दुआएं मिलेगी और नाम होगा। उन्होंने कहा कि नए भारत के निर्माण अर्थ है, गांव और गरीब लोगों के लिए समय देकर उनके कार्य करना। राज्यपाल बागड़े रविवार को विद्याभारती, राजस्थान द्वारा आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने समारोह में राजस्थान प्रशासनिक सेवा परिषद के 59 नव चयनित और तीन नव चयनित भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को सम्मानित किया।

राज्यपाल ने कहा कि आजादी के बाद देश में आदर्श संस्कारों और नैतिक मूल्यों के प्रसार में विद्याभारती ने निरन्तर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि वर्ष 1952 से ही देश में शिक्षा और संस्कृति के प्रसार में यह संगठन कार्य कर रहा है। उन्होंने प्राइमरी स्कूलों के शिक्षकों को अपना मन परिवर्तन कर देश के बच्चों को प्रतिभाशाली बनाने के लिए कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा से ही समाज और राष्ट्र में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है। झोपडी से महल तक की यात्रा शिक्षा से ही सम्भव है।

उन्होंने कहा कि देश में लॉर्ड थॉमस मैकाले ने देश में ऐसी शिक्षा के बीज डाले कि जैसे हम सदा गुलाम मानसिकता बनाए रखें। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति से अब उस गुलाम मानसिकता से मुक्ति की राह निकली है। उन्होंने नई शिक्षा नीति के तहत विद्यार्थियों के मन में नैतिकता की शिक्षा का प्रसार किए जाने पर जोर दिया।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि मुख्यमंत्री के सचिव डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी ने कहा कि प्रशासनिक सेवा में चयनित अधिकारी सदा विनम्र रहें। इसी से वे उच्चतम शिखर पर भविष्य में पहुंच सकेंगे। उन्होंने कतार के अंतिम छोर पर स्थित व्यक्ति की आवाज सुनने को सदा प्राथमिकता देने, निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के साथ व्यवहार ही अच्छा नहीं रखने बल्कि जनता से जुड़े उनके कार्य करने करने का सदा प्रयास करने और विविधता को अंगीकार करते हुए गांव और शहर के लोगों की समस्याओं का समाधान प्रभावी रूप में किए जाने का आह्वान किया। उन्होंने अपने आस पास के वातावरण को समझते हुए, लोगों की आवश्यकता को ध्यान में रखकर तारीफ और खुशामद में अन्तर समझते हुए कार्य करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अच्छा करेंगे तो लोगों का यकीन प्रशासनिक सेवाओं के प्रति सदा बना रहेगा। उन्होंने नव चयनित अधिकारियों को बधाई देते हुए उनका अभिनंदन किया। इससे पहले चंद्रशेखर गौड़ ने कार्यक्रम की प्रस्तावना रखी। समारोह में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के क्षेत्रीय प्रचारक निंबाराम, विद्याभारती के आखिल भारतीय मंत्री शिवप्रसाद और डॉ. जी. एल. शर्मा भी उपस्थित रहे।

बांसवाड़ा में बीजेपी जिला मंत्री अर्जुन सिंह मईड़ा ने किया सुसाइड, गृहकलेश की आशंका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बांसवाड़ा। राजस्थान के बांसवाड़ा जिले से एक बेहद चौंकाने वाली और दुखद खबर सामने आई है। भारतीय जनता पार्टी (इगझ) के जिला मंत्री और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (ठडड) के सक्रिय कार्यकर्ता अर्जुन सिंह मईड़ा (47) ने शनिवार रात को फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। उनका शव छोटी सरवन क्षेत्र की ग्राम पंचायत छायन बड़ी के जुनाखेड़ा में उनके घर के पास ही एक आम के पेड़ से लटका हुआ मिला। इस घटना के बाद से स्थानीय राजनीतिक और सामाजिक हलकों में शोक की लहर है। इस घटना के पीछ गृहकलेश बताया जा रहा है। अर्जुन सिंह मईड़ा संगठन के एक मजबूत और जमीनी नेता माने जाते थे। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के सक्रिय सदस्य के रूप में जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। वह छोटी सरवन के पूर्व मंडल अध्यक्ष रहने के साथ-साथ छोटी सरवन पंचायत समिति के सदस्य भी रह चुके थे। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने क्षेत्र के स्थानीय विकास कार्यों में भी बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाई थी। घटना की सूचना मिलने पर दानपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। दानपुरा थाने के एएसआई (-ख्ख) रमेश चंद ने बताया कि अर्जुन सिंह ने शनिवार रात अपने घर के पास स्थित एक आम के पेड़ पर फंदा लगाकर सुसाइड किया है।

पुलिस के अनुसार, शुरुआती तौर पर पारिवारिक कलह या घरेलू क्लेश जैसी कोई बात सामने नहीं आई है, जिससे आत्महत्या के कारणों को लेकर रहस्य गहरा गया है। पुलिस ने मृतक के बेटे अभिमन्यु की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर लिया है और मौत के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए गहनता से जांच की जा रही है।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से किसानों को बड़ी राहत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना जिले के किसानों के लिए प्राकृतिक आपदाओं के समय प्रभावी सुरक्षा कवच साबित हो रही है। जिला कलक्टर काना राम के विशेष निर्देशन एवं सतत मॉनिटरिंग में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत खरीफ-2025 में जिले के किसानों को बड़ी राहत मिली है। खरीफ 2025 सीजन में अतिवृष्टि से प्रभावित फसलों के नुकसान पर जिले के किसानों को 47 करोड़ 33 लाख रुपये की रिकॉर्ड दावा राशि स्वीकृत की गई है। यह राशि जिले के हजारों किसानों के लिए आर्थिक राहत एवं संबल का माध्यम बनी है।

संयुक्त निदेशक कृषि (विस्तार) लखपत लाल मीणा ने बताया कि खरीफ 2025 में जिले में अतिवृष्टि के कारण बाजरा, तिल एवं उड़द की फसलों को व्यापक नुकसान हुआ था। जिला कलक्टर काना राम के निर्देशन में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत कृषि विभाग एवं बीमा कंपनी द्वारा संयुक्त रूप से सर्वे, फसल कटाई प्रयोग एवं औसत उपज का वैज्ञानिक आकलन किया गया, जिसके आधार पर बीमित किसानों को दावा राशि स्वीकृत हुई। उन्होंने बताया कि जिले में अब तक 51 हजार 370 किसानों के खातों में 46 करोड़ 28 लाख रुपये की राशि सीधे डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित की जा चुकी है। उन्होंने बताया कि गत वर्ष खरीफ 2024 में जिले के किसानों को 35 करोड़ 44 लाख रुपये की दावा राशि प्राप्त हुई थी, जबकि इस वर्ष सर्वाधिक 47 करोड़ 33 लाख रुपये की राशि स्वीकृत हुई है, जो योजना के प्रति किसानों की बढ़ती जागरूकता एवं समय पर बीमा करवाने का सकारात्मक परिणाम है।

सहायक निदेशक कृषि श्याम बिहारी मधुरिया ने बताया कि जिले की विभिन्न तहसीलों में बड़ी संख्या में किसानों को बीमा दावा राशि का लाभ मिला है। सर्वाधिक 20 करोड़ 60 लाख रुपये की राशि सवाई माधोपुर तहसील के किसानों को प्राप्त हुई, जबकि चौथ का बरवाड़ा क्षेत्र के किसानों को 8 करोड़ 96 लाख रुपये की दावा राशि स्वीकृत हुई। इसी प्रकार मलारना डूंगर क्षेत्र को 3 करोड़ 41 लाख रुपये, बौंली तहसील को 2 करोड़ 54 लाख रुपये, खंडार क्षेत्र को 2 करोड़ 89 लाख रुपये, बामनवास को 1 करोड़ 42 लाख रुपये,मित्रपुरा को 65 लाख रुपये तथा गंगापुर क्षेत्र को 47 लाख रुपये की दावा राशि प्राप्त हुई है।

अगले सप्ताह शुष्क मौसम बना रहेगा

जयपुर। राजस्थान के अधिकांश हिस्सों में अगले सप्ताह तक शुष्क मौसम बने रहने की संभावना है और तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस तक वृद्धि हो सकती है। मौसम विभाग ने रविवार को यह जानकारी दी। विभाग के अनुसार, पश्चिमी राजस्थान के सीमावर्ती क्षेत्रों में अधिकतम तापमान आने वाले दिनों में फिर से 44 से 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है, जिससे कुछ स्थानों पर लू की स्थिति बनने की संभावना है। पूर्वी राजस्थान में अधिकतम तापमान इसी अवधि में 42 से 44 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। मौसम विभाग ने यह भी भविष्यवाणी की है कि 18 से 22 मई के बीच पश्चिमी और उत्तरी हिस्सों में 20 से 30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से सतही हवाएं चल सकती हैं। अधिकारियों ने लोगों को बढ़ती गर्मी के बीच आवश्यक सावधानियां बरतने की सलाह दी है।

मेड़ता-बुटाटी हाईवे पर भीषण हादसा, 4 की मौत, 8 घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागौर। जो मुस्कराता चेहरा परिवार की खुशियों का आधार था, अब उसे परिजन कभी नहीं देख पाएंगे। जोधपुर जिले के मादलिया क्षेत्र के रावलानिया गांव निवासी अमरीशपुरी और उनके परिवार की बुटाटी धाम की श्रद्धा यात्रा रविवार सुबह एक भीषण सड़क हादसे में मातम में बदल गई। मेड़ता-बुटाटी हाईवे पर चकढ़ाणी गांव के पास रोडवेज बस और ईको कार की आमने-सामने हुई जोरदार टक्कर में चार लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दो मासूम बच्चों सहित आठ लोग घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, रावलानिया गांव निवासी परिवार संत चतुरदास महाराज के दर्शन के लिए बुटाटी धाम जा रहा था। रविवार सुबह बुटाटी से करीब 10 किलोमीटर पहले चकढ़ाणी गांव के पास सामने से आ रही नागौर-मेड़ता रूट की राजस्थान रोडवेज बस ने उनकी कार को टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी भीषण थी कि कार पूरी तरह चकनाचूर हो गई, जबकि बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खेत में उतर गई। बस में सवार सभी 15 यात्री सुरक्षित रहे। हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक घायल ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। मृतकों में दो पुरुष और दो महिलाएं शामिल हैं। इस हादसे ने पूरे रावलानिया गांव को गहरे सदमे में डाल दिया।

घायलों में प्रदीप पुत्र बिरजू, बिरजू पुत्र रामूराम, जशोदा पत्नी अमरीशपुरी, संतोष पत्नी पूसापुरी, आठ माह का विकास और तीन वर्षीय मानसी सहित कुल आठ लोग शामिल हैं।

सभी को रेण सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से गंभीर घायलों को मेड़ता उप-जिला अस्पताल रेफर किया गया। सूचना मिलते ही कुचेरा थाना पुलिस, 108 एम्बुलेंस चालक हरेंद्र तेतरवाल और स्थानीय ग्रामीण मौके पर पहुंचे। काफी मशक्कत के बाद कार में फंसे लोगों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस ने चारों मृतकों के शव कुचेरा अस्पताल की मोर्चरी में रखवाए हैं और दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। हादसे के बाद रावलानिया गांव सहित पूरे क्षेत्र में शोक की लहर छा गई है।

दिया कुमारी ने ट्रेन से किया अजमेर का सफर, यात्रियों से संवाद कर स्वदेशी और पब्लिक ट्रांसपोर्ट अपनाने की अपील

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी रविवार को जयपुर रेलवे स्टेशन से ट्रेन द्वारा अजमेर के लिए रवाना हुईं। इस दौरान उन्होंने ट्रेन में सफर कर रहे यात्रियों से आत्मीय संवाद किया और सभी से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुहिम में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की। उपमुख्यमंत्री को अपने बीच सफर करते देख यात्रियों में भी खासा उत्साह देखने को मिला। यात्रियों से बातचीत करते हुए उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि सभी को मिलकर देशहित में पूरा सहयोग करना चाहिए। उन्होंने पब्लिक ट्रांसपोर्ट का अधिक से अधिक उपयोग करने पर जोर देते हुए कहा कि जनप्रतिनिधियों के साथ आम नागरिकों को भी इस अभियान से जुड़ना चाहिए, ताकि देश की आर्थिक स्थिति और अधिक मजबूत हो सके।

उन्होंने युवाओं को भी इस मुहिम में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि देश में घूमने और पर्यटन के लिए कई बेहतरीन स्थान मौजूद हैं, इसलिए लोगों को विदेश जाने के बजाय भारत के पर्यटन स्थलों को प्राथमिकता देनी चाहिए। साथ ही उन्होंने स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने और देश में बनी वस्तुओं को अधिक तवज्जो देने की अपील भी की।

जोधपुर जल संकट पर गहलोत का तीखा प्रहार : कहा - हालात जल-आपातकाल जैसे, सरकार मौन

जोधपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जोधपुर में गहराते पेयजल संकट को लेकर राज्य सरकार पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि शहर में हालात बेहद भयावह होते जा रहे हैं और स्थिति लगभग जल-आपातकाल जैसी बन चुकी है। गहलोत के अनुसार, कायलाना-तख्तसागर में मात्र दो दिन का पानी शेष है, जिससे करीब 20 लाख की आबादी प्यास के कगार पर पहुंच गई है।

भारतमाला एक्सप्रेस-वे पर स्कॉर्पियो पलटी, गुजरात के एक ही परिवार के तीन श्रद्धालुओं की मौत

बालोतरा। भारतमाला एक्सप्रेस-वे पर रविवार दोपहर हुए भीषण सड़क हादसे में गुजरात के एक ही परिवार के तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक बच्चे सहित तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायल बाबा रामदेव के दर्शन के लिए रामदेवरा जा रहे थे। घायलों को बालोतरा के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार हादसा जसोल थाना क्षेत्र में आसोतरा के पास भारतमाला एक्सप्रेस-वे पर रविवार दोपहर करीब 12 बजे हुआ। गुजरात के मेहसाणा जिले के थावर गांव निवासी परिवार स्कॉर्पियो वाहन में सवार होकर रामदेवरा जा रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर कई बार पलटी खाकर सड़क किनारे जा गिरी। हादसा इतना भीषण था कि स्कॉर्पियो के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार लोग सड़क किनारे जा गिरे। दुर्घटना में अजमल (35) पुत्र गणेशा, उसके भाई नामूलम तथा हितेश भाई (32) पुत्र देवकरण भाई पटेल की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं अशोक भाई, कमलेश भाई और अजमल का मासूम बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से बाहर निकालकर बालोतरा जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। प्रत्यक्षदर्शी अनिल कुमार ने बताया कि स्कॉर्पियो अत्यधिक तेज गति में थी। अचानक चालक का वाहन से नियंत्रण हट गया और वाहन पलट गया। हादसा इतना भयावह था कि तीन लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। सूचना मिलते ही जसोल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया।

हृदय रोगों से बचाव के लिए जागरूकता का हो प्रसार : बागड़े

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने रविवार को राज्य के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग एवं सत्य साईं हार्ट हॉस्पिटल, अहमदाबाद और राजकोट द्वारा महावीर कॉमर्स कॉलेज में आयोजित विशाल निःशुल्क हृदय रोग निदान शिविर का उद्घाटन किया। बागडे ने इस दौरान कहा कि सात्विक आहार और नियमित शारीरिक व्यायाम के साथ समय पर चिकित्सा जांचों से हार्ट रोगों से बहुत हद तक बचा जा सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार प्रति वर्ष एक से दो करोड़ लोग हृदय रोग से पीड़ित होते हैं। उन्होंने इस रोग से बचाव के लिए जागरूकता का प्रसार किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हार्ट अटैक क्यों और कैसे होता है, इसके कारणों में गहराई से बताने और जागरूक करने की आवश्यकता है।

राज्यपाल ने कहा कि सत्य साईं बाबा द्वारा गरीबों के लिए चिकित्सा के साथ शिक्षा के लिए किए प्रयास महत्वपूर्ण है। उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय का स्मरण करते हुए कहा कि पंक्ति के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति को कैसे लाभ मिले इसके लिए सभी को प्रयास करने चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वामी शिवानंद महाराज की आयु एक सौ छब्बीस वर्ष थी।

भाजपा ही राष्ट्रवाद और भारतीयता को आगे बढ़ाने वाली पार्टी : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को दावा किया कि समाज कांग्रेस, सपा, राजद, टीएमसी, द्रमुक या भ्रष्टाचार में लिप्त अन्य राजनीतिक दलों को सम्मान नहीं देता, बल्कि भाजपा कार्यकर्ताओं को समाज में सम्मान इसलिए मिलता है क्योंकि उनमें राष्ट्रवाद और भारतीयता का भाव होता है।

गोरखपुर में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के जिला प्रशिक्षण शिविर के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए आदित्यनाथ ने कहा, पार्टी के संस्थापकों के मूल्यों और आदर्शों का पालन करते हुए भाजपा कार्यकर्ता राष्ट्र की एकता और अखंडता को बनाए रखने के लिए ईमानदारी तथा पारदर्शिता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करता है, इसलिए समाज उसे सम्मान देता है। उन्होंने कहा, लेकिन कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, राष्ट्रखउनीय जनता दल (राजद) या द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) जैसे दल ऐसा सम्मान प्राप्त नहीं कर पाते क्योंकि वे भ्रष्टाचार में लिप्त हैं। 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान' नामक इस शिविर का आयोजन भाजपा की गोरखपुर इकाई ने किया था। उद्घाटन सत्र का विषय 'भाजपा का इतिहास और विकास' था। मुख्यमंत्री ने कहा, भाजपा ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जिसने राष्ट्रीय सुरक्षा, संस्कृति, सुशासन और जनता की समृद्धि को अपने कार्यक्रमों का आधार बनाया है। उन्होंने कहा, स्थापना के 50 वर्ष से भी कम समय में भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है और राष्ट्रवाद की विचारधारा को आगे बढ़ा रही है। यह एकमात्र पार्टी है जिसने स्पष्ट रूप से कहा है कि राष्ट्र पहले, पार्टी दूसरे और व्यक्तिगत हित सबसे बाद में होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा के संस्थापकों ने 'राष्ट्र प्रथम' के भाव से मूल्य, आदर्श और संस्कार दिए। योगी ने आरोप लगाया कि आजादी के बाद संसदीय प्रणाली लागू होने के तुरंत बाद कांग्रेस ने तुष्टीकरण की राजनीति शुरू कर दी थी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि तब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) को महसूस हुआ कि एक ऐसे राजनीतिक दल की आवश्यकता है जो भारत की राष्ट्रीयता और बेहतर भविष्य के लिए कार्ययोजना तैयार कर सके। उन्होंने कहा कि इसके बाद केंद्र सरकार के मंत्री पद से इस्तीफा देने वाले महान शिक्षाविद एवं स्वतंत्रता सेनानी डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को भारतीय जनसंघ का संस्थापक अध्यक्ष बनाया गया।

प्रधानमंत्री का बोडो स्कार्फ 'अरोनई' पहनना समुदाय की समृद्ध विरासत को दर्शाता है : हिमंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को कहा कि नीदरलैंड में एक आधिकारिक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पारंपरिक बोडो स्कार्फ 'अरोनई' पहनना समुदाय की समृद्ध हथकरघा विरासत का प्रमाण है। उन्होंने राज्य के बोडोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र (बीटीआर) में शांति और प्रगति लाने के लिए मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया।

शर्मा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, अरोनई असम के बोडो समुदाय के गौरव और समृद्ध हथकरघा विरासत को दर्शाता है। आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी को नीदरलैंड में वैश्विक मंच पर इसे गरिमा के साथ धारण करते देख गर्व महसूस हो रहा है। हेग में प्रवासी भारतीय समुदाय को संबोधित करते समय मोदी ने अपने गले में अरोनई (एक प्रकार का आभूषण) पहना था। वे यूरोप के चार देशों के दौरे के तहत दो दिवसीय यात्रा पर शुक्रवार को नीदरलैंड पहुंचे थे। शर्मा ने कहा, बोडोलैंड में शांति और समृद्धि के एक नए युग की शुरुआत करने के लिए हमारे प्रिय प्रधानमंत्री के प्रति कृतज्ञ हूं। मुख्यमंत्री 2020 के बोडो शांति समझौते का जिक्र कर रहे थे, जिसने बीटीआर (बोडोलैंड) का प्रशासन करने वाली स्वायत्त परिषद की शक्ति और कार्यक्षेत्र को बढ़ाया और क्षेत्र में दशकों पुरानी उग्रवाद की समस्या को प्रभावी रूप से समाप्त कर दिया।

सिक्किम में एक जून से आनंद विवाह अधिनियम लागू होगा

नई दिल्ली/भाषा। सिख दंपतियों को अपने विशिष्ट कानूनी ढांचे के तहत पारंपरिक विवाह पंजीकृत करने में सक्षम बनाने वाला आनंद विवाह अधिनियम सिक्किम में एक जून से लागू हो जाएगा।

केंद्रीय कानून मंत्रालय ने यह जानकारी दी। इससे सिक्किम में सिख समुदाय के सदस्यों को पारंपरिक 'आनंद कारज' समारोह के तहत संपन्न विवाहों को सीधे पंजीकृत करने की सुविधा मिलेगी।

पंजीकरण के उद्देश्य से, कई सिख जोड़े 1955 के हिंदू विवाह अधिनियम के तहत अपना विवाह पंजीकृत कराते हैं। विधि मंत्रालय द्वारा 14 मई को जारी अधिसूचना के अनुसार, ''केंद्र सरकार सिक्किम राज्य में आनंद विवाह अधिनियम, 1909 के प्रावधानों के लागू होने की तिथि एक जून, 2026 निर्धारित करती है।''

किसान ने खुद पर पेट्रोल डालकर लगायी आग, अस्पताल ले जाते समय मौत

जालौन/भाषा। उत्तर प्रदेश के जालौन जिले के सिरसा कलार क्षेत्र में रविवार को एक किसान ने अपने खेत में खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगा ली और गंभीर हालत में अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस क्षेत्राधिकारी शैलेंद्र कुमार बाजपेई ने बताया कि सिरसा कलार थाना क्षेत्र के मऊ खुर्द निवासी ओंकार सिंह (58) नामक किसान ने अपने खेत में खुद पर पेट्रोल डाल लिया और आग लगा ली। उन्होंने बताया कि परिजन उसे गंभीर हालत में मेडिकल कॉलेज उरई ले जा रहे थे लेकिन रास्ते में ही ओंकार सिंह ने दम तोड़ दिया। बाजपेई ने बताया कि घटना के संबंध में आवश्यक जांच एवं अन्य कानूनी कार्रवाई की जा रही है। किसान की मौत के कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस परिजनों और ग्रामीणों से पूछताछ कर रही है।

ओडिशा पुलिस ने विशेष अभियान के दौरान 1,771 लोगों को गिरफ्तार किया, गांजा, 20 हथियार जब्त

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा पुलिस ने एक विशेष अभियान के दौरान 3,000 किलोग्राम से अधिक गांजा, 20 बिना लाइसेंस वाली बंदूकें और अन्य अवैध वस्तुएं जब्त कीं तथा 1,771 लोगों को गिरफ्तार किया। रविवार को जारी एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। पुलिस महानिदेश (डीजीपी) योगेश बहादुर खुराना के निर्देश पर ओडिशाभर में पुलिस अधीक्षक (एसपी) और पुलिस आयुक्तों के नेतृत्व में 12 से 16 मई तक पांच दिवसीय अभियान चलाया गया। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कानून और व्यवस्था) संजय कुमार ने अभियान की निगरानी की।

बयान में कहा गया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य गैर-जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) को लागू करना, लंबित मामलों में वांछित आरोपियों को गिरफ्तार करना, मादक पदार्थों (गांजा और ब्राउन शुगर) की तस्करी को रोकना, अवैध हथियारों और खनिजों के परिवहन में शामिल वाहनों को जब्त करना और नशे में वाहन चलाने वालों पर नकेल कसना था। खुराना ने कहा, ''ओडिशा पुलिस का विशेष अभियान सफल रहा। हमने पांच दिन के दौरान 1,700 से अधिक गैर-जमानती वारंट जारी किए हैं, छह लोगों पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत मामला दर्ज किया गया है और 50 फरार आरोपियों को पकड़ा।''

प. बंगाल सरकार सीमा पर बाड़बंदी के लिए 45 दिनों में जमीन देने को प्रतिबद्ध : मंत्री कीर्तनिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बनगांव(प.बंगाल)/भाषा। पश्चिम बंगाल के मंत्री अशोक कीर्तनिया ने रविवार को कहा कि राज्य सरकार बांग्लादेश से लगती सीमा पर बाड़बंदी करने के लिए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को 45 दिनों के भीतर भूमि सौंपने के लिए प्रतिबद्ध है। उत्तर 24 परगना जिले के बनगांव उत्तर निर्वाचन क्षेत्र से विधायक और राज्य के खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री कीर्तनिया ने भूमि अधिग्रहण की प्रगति की समीक्षा करने और जमीनी स्तर के घटनाक्रम का आकलन करने के लिए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के अधिकारियों के साथ यहां बैठक की।

उन्होंने कहा कि उत्तर 24 परगना जिले के अधिकांश हिस्सों में भूमि अधिग्रहण संतोषजनक ढंग से आगे बढ़ रहा है, लेकिन बसीरहाट क्षेत्र में प्रतिरोध है। कीर्तनिया ने कहा, ''मैंने जिलाधिकारी से बात की और मुझे बताया गया कि बसीरहाट के तीन मौजों को छोड़कर कोई समस्या नहीं है। बसीरहाट के कुछ निवासी बाड़ वाले क्षेत्र से हटने से इनकार कर रहे हैं और बाड़ के अंदर आने वाले कुछ परिवार पुनर्वास से इनकार कर रहे हैं।'' उन्होंने जिलाधिकारी को एक सप्ताह के भीतर गतिरोध को हल करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा, ''मैंने जिलाधिकारी को एक सप्ताह के भीतर उन लोगों को मनाने के लिए कहा है।'' मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली नव निर्वाचित भाजपा सरकार ने 11 मई को अपनी पहली कैबिनेट बैठक में भारत-बांग्लादेश सीमा पर बाड़बंदी पूरी करने के लिए बीएसएफ को जमीन हस्तांतरित करने का फैसला किया था, जिसके लिए 45 दिनों की समय सीमा तय की गई थी।

पति से विवाद के बाद पानी की टंकी पर चढ़ी महिला, पुलिस ने सुरक्षित उतारा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के गोमतीनगर इलाके में रविवार को 22 वर्षीय एक महिला पति से विवाद के बाद पानी की टंकी पर चढ़ गई। पुलिस ने कई घंटों की मशक्कत के बाद उसे सुरक्षित नीचे उतार लिया। पुलिस के अनुसार पति से जुड़े विवाद के कारण परेशान होकर महिला टंकी पर चढ़ गई थी और नीचे उतरने से इनकार कर रही थी।

घटना की सूचना मिलने पर उपनिरीक्षक गुरप्रीत कौर और उपनिरीक्षक दीपक कुमार यादव के नेतृत्व में पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पूछताछ के दौरान महिला ने पुलिस को बताया कि उसकी शादी लखीमपुर खीरी के एक व्यक्ति से हुई थी, जो बिना बताए लापता हो गया, जिसके बाद उसने यह कदम उठाया। पुलिस ने महिला के पति से संपर्क कर उसे मौके पर बुलाया। इस दौरान पुलिस लगातार महिला को समझाने का प्रयास करती रही।

पुलिस के मुताबिक, सहायक पुलिस आयुक्त और गोमतीनगर थाना प्रभारी ने भी महिला से बातचीत की और उसे सुरक्षित नीचे उतरने के लिए राजी किया।

बाद में महिला को अस्पताल भेज दिया गया। पुलिस ने बताया कि मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

ग्रेट निकोबार परियोजना पारिस्थितिकी तबाही का एक नुस्खा है: रमेश

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने रविवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को ग्रेट निकोबार द्वीप परियोजना पर एक पत्र लिखकर कहा कि वर्तमान स्वरूप में यह परियोजना ''पारिस्थितिकी तबाही'' का कारण बन सकती है। कांग्रेस नेता इस परियोजना को लेकर लंबे समय से चिंता जता रहे हैं और उनका दावा है कि इससे क्षेत्र की पारिस्थितिकी पर प्रभाव होगा और आदिवासी समुदायों के अधिकारों का उल्लंघन होगा। मंत्री को लिखे अपने पत्र में उन्होंने कहा कि देश की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने की आवश्यकता पर कोई दो राय नहीं हो सकती, लेकिन उन्होंने ग्रेट निकोबार परियोजना के आसपास इसकी रणनीतिक क्षमताओं को मजबूत करने के लिए कुछ उपाय सुझाये। उन्होंने कहा कि नौसेना अधिकारियों ने अपने लेखों में ऐसे उपायों का प्रस्ताव दिया है और ये उपाय क्षेत्र की पारिस्थितिकी को अधिक नुकसान पहुंचाए बिना देश की रक्षा को बेहतर बनाने में मदद कर सकते हैं। रमेश ने 'एक्स' पर पत्र साझा करते हुए कहा, ''पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री और जनजातीय कार्य मंत्री को पत्र लिखने के बाद मैंने ग्रेट निकोबार द्वीप परियोजना के संबंध में रक्षा मंत्री को भी पत्र लिखा है। रमेश पहले पर्यावरण मंत्री रह चुके हैं।

दिलवारा गांव की बेटियां, फुटबॉल से गढ़ रही पहचान

जयपुर/भाषा। नसीराबाद क्षेत्र के दिलवारा गांव की लड़कियां फुटबॉल के जरिए अपनी पहचान गढ़ रही हैं। कभी बंजर जमीन रही यह जगह अब सपनों का मैदान बन चुकी है जहां रोजाना शाम को 100 से अधिक लड़कियां घंटों अभ्यास करती हैं। गांव के युवाओं और खिलाड़ियों के सामूहिक प्रयास से कांटों और पत्थरों से भरी जमीन को खेल मैदान में बदला गया है। घास का मैदान तैयार करने का काम भी जारी है। स्थानीय निवासी राकेश प्रजापत ने बताया कि उनका सपना फुटबॉलर बनने का था लेकिन आर्थिक कारणों से अधूरा रह गया। अब वे चाहते हैं कि गांव की बेटियां उनका सपना पूरा करें। पांच साल पहले केवल पांच लड़कियां खेलती थीं आज सौ से अधिक हो चुकी है। इनमें से एक लड़की राष्ट्रीय स्तर पर खेल चुकी है और 6-7 राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में भाग ले चुकी हैं। फल की दुकान चलाने वाले कोच जयंत रोज़ाना 2-3 घंटे लड़कियों को प्रशिक्षित करते हैं। उन्होंने भी राष्ट्रीय स्तर पर फुटबॉल खेला है और वर्तमान में बीपीएड कोर्स के अंतिम वर्ष में हैं। उनका कहना है कि अब यह मैदान बड़े टूर्नामेंट की मेज़बानी कर सकता है।

रोनाल्डो का सऊदी अरब में ट्रॉफी जीतने का इंतजार बढ़ा

रियाद (सऊदी अरब)/एपी। दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो का सऊदी अरब में पहली बड़ी ट्रॉफी जीतने का इंतजार तब और बढ़ गया जब शनिवार को एशियाई चैंपियंस लीग दो के फाइनल में उनके क्लब अल नासर को जापान के गांबा ओसाका से 1-0 से हार का सामना करना पड़ा। तुर्की के फॉरवर्ड डेनिज़ हम्मात के पहले हाफ में किए गए गोल की मदद से ओसाका ने एशिया के दूसरी श्रेणी के टूर्नामेंट का खिताब जीता। अल नासर ने हालांकि मैच में दबदबा बनाए रखा लेकिन वह गोल करने में नाकाम रहा। इससे पांच दिन पहले अल नासर 2019 के बाद पहली बार सऊदी प्रो लीग जीतने से बस कुछ ही सेकंड दूर था, लेकिन स्टॉपेज टाइम के अंतिम पलों में आत्मघाती गोल होने से उसका इंतजार बढ़ गया। अब गुरुवार को होने वाले लीग के अंतिम चरण के मैच से विजेता का फैसला होगा। रोनाल्डो दिसंबर 2022 में क्लब में शामिल हुए थे। वह गांबा ओसाका के खिलाफ हाफ टाइम से ठीक पहले बराबरी का गोल करने के करीब पहुंच गए थे, लेकिन जोआओ फेलिक्स के क्रॉस पर उनका नजदीकी हेडर लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाया।

कोलकाता में अतिक्रमण हटाने के अभियान के विरोध में प्रदर्शन हिंसक हुआ, कई पुलिसकर्मी घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। कोलकाता के तिलजला में हाल ही में हुई 'बुलडोजर कार्रवाई' के खिलाफ विरोध प्रदर्शन रविवार को हिंसक हो गया। पार्क सर्कस इलाके में प्रदर्शनकारियों ने पुलिसकर्मियों पर पथराव किया, जिसमें कम से कम तीन पुलिसकर्मी घायल हो गए और कई वाहनों को नुकसान पहुँचा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

तिलजला में एक फैक्टरी में आग लगने की घटना में दो लोगों की मौत के बाद पश्चिम बंगाल सरकार ने पिछले बुधवार को इलाके में अवैध ढांचों को गिराने के लिए 'बुलडोजर कार्रवाई' की थी। अधिकारियों के मुताबिक, अतिक्रमण हटाओ अभियान के विरोध में लोग पार्क सर्कस सेवन प्वाइंट क्रॉसिंग के पास इकट्ठा हुए और सड़कों को अवरुद्ध करने की कोशिश की। उन्होंने बताया कि जब पुलिस ने गैरकानूनी रूप से जुटी भीड़ को तितर-बितर करने की कोशिश की, तो उसमें शामिल कुछ लोग पथराव करने लगे, जिससे इलाके में अराजकता फैल गई।

अधिकारियों के अनुसार, पथराव के दौरान सड़क किनारे खड़ी कई गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गईं, जिनमें केंद्रीय बलों को ले जाने वाले वाहन भी शामिल थे। उन्होंने बताया कि घटना के बाद बड़ी संख्या में कोलकाता पुलिस और केंद्रीय बलों के जवानों को इलाके में तैनात किया गया। अधिकारियों ने बताया कि जवानों ने हालात को और बिगड़ने से रोकने तथा सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए तिलजला और आसपास के इलाकों में गश्त लगाई।

कोलकाता पुलिस के अतिरिक्त आयुक्त आशीष बिस्वास ने कहा कि हिंसा में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

उन्होंने संवाददाता को बताया, कुछ लोगों ने सड़क अवरुद्ध करने की कोशिश की। यह एक अवैध जमावड़ा था। पुलिस उन्हें तितर-बितर करने की कोशिश कर रही थी, तभी उन्होंने पथराव शुरू कर दिया। हमारे तीन सहकर्मी घायल हो गए।

भारतीय पैरा खेलों को नई ऊंचाइयों पर ले गए ऊंची कूद खिलाड़ी प्रवीण कुमार

नई दिल्ली/भाषा। अनसंग हीरोज वर्ग में पद्म श्री हासिल करने वाले ऊंची कूद के खिलाड़ी प्रवीण कुमार उन कुछ लोगों में से एक हैं जिन्होंने अपनी शारीरिक कमियों को अपने करियर में ताकत में बदला है और भारतीय पैरा खेलों की दिशा बदल दी। गौतमबुद्ध नगर जिले के जेवर के एक मध्यमवर्गीय परिवार में 15 मई 2003 को जन्मे प्रवीण का एक पैर दूसरे से छोटा था लेकिन वह बहुत तेज छलांग लगाने के काबिल थे और जल्द ही उन्होंने ऊंची कूद को जुनून बना लिया।

उनका करियर एक अंतर स्कूल ऊंची कूद प्रतियोगिता दौरान बदला जहां उन्होंने पूर्ण सक्षम खिलाड़ियों के खिलाफ मुकाबला किया जिससे विशेषज्ञों का ध्यान उनकी ओर गया। कोच सत्यपाल सिंह के मार्गदर्शन में उन्होंने दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में ट्रेनिंग ली जिससे उनके कौशल में और निखार आया और वह दुनिया के शीर्ष पैरा खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए।

झारखंड, प. बंगाल और केरल के कई हिस्सों में अगले कुछ दिनों तक बारिश का अनुमान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/कोलकाता/तिरुवनंतपुरम/भाषा। भारत मौसम विभाग (आईएमडी) ने झारखंड, पश्चिम बंगाल और केरल के कई हिस्सों में अगले कुछ दिनों तक बारिश, आंधी, वज्रपात और तेज हवाओं का पूर्वानुमान जताया है।

आईएमडी के अनुसार, झारखंड में 18 से 23 मई तक हल्की से मध्यम बारिश, वज्रपात और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। आईएमडी के मुताबिक, 18 से 20 मई तक गढ़वा, पलामू, लातेहार, चतरा, कोडरमा और हजारीबाग को छोड़कर राज्य के अधिकांश हिस्सों में बारिश होने की संभावना है।

इसके बाद, 21 मई को राज्य भर में हल्की से मध्यम बारिश, गरज, बिजली कड़कने और 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का अनुमान है, जबकि 21 से 23 मई तक गढ़वा, पलामू, चतरा और लातेहार को छोड़कर राज्य के कई हिस्सों में बारिश होगी।

रांची स्थित आईएमडी के उपनिदेशक अभिषेक आनंद ने कहा कि अगले दो दिनों में अधिकतम तापमान में दो डिग्री सेल्सियस तक वृद्धि हो सकती है। पिछले 24 घंटों में, पश्चिम सिंहभूम जिले के मंजारी में अधिकतम 18 मिमी वर्षा दर्ज की गई और धनबाद के मैथन, डीवीसी में 7.4 मिमी वर्षा हुई। पिछले 24 घंटों में दर्ज किया गया अधिकतम तापमान पलामू जिले के डाल्टनगंज में 41.5 डिग्री सेल्सियस रहा, इसके बाद सरायकेला में 40.4 डिग्री सेल्सियस और जमशेदपुर में 38.6 डिग्री सेल्सियस रहा।

मौसम विभाग के अनुसार, पश्चिम बंगाल के दक्षिणी इलाकों में रविवार शाम कई जिलों में गरज के साथ बारिश होने का अनुमान है, वहीं कोलकाता में अधिकतम तापमान 34.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

कोलकाता का अधिकतम तापमान सामान्य से एक डिग्री कम रहा, जबकि न्यूनतम तापमान 28.4 डिग्री सेल्सियस अर्थात सामान्य से 1.7 डिग्री अधिक था। स्थानीय मौसम कार्यालय ने कहा है कि कोलकाता में हल्की बारिश और गरज के साथ 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की आशंका है। हावड़ा, हुगली, दक्षिण 24 परगना, पूर्वी और पश्चिमी मेदिनीपुर, बांकुड़ा और पूर्वी बर्धमान में भी इसी तरह के मौसम का पूर्वानुमान है। विभाग के अनुसार, नदिया, मुर्शिदाबाद, उत्तर 24 परगना, बीरभूम, पुरुलिया और झाड़ग्राम जैसे जिलों में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, उत्तरी बंगाल में अगले कुछ दिनों में भारी बारिश होने की आशंका है। केरल में भी कई हिस्सों में भारी बारिश के बीच आईएमडी ने पथनमथिट्टा और अलप्पुझा जिलों के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया है।

तिरुवनंतपुरम, कोल्लम, कोट्टायम, एर्नाकुलम, इडुक्की, कोझिकोड, वायनाड, कन्नूर और कासरगोड समेत कई जिलों में 'येलो अलर्ट' जारी किया गया है।

केरल राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने भूस्खलन और बाढ़ संभावित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों से सतर्क रहने और जरूरत पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की है। लोगों को नदियों, जलाशयों और पहाड़ी इलाकों से दूर रहने तथा अनावश्यक यात्रा से बचने की सलाह भी दी गई है।

आईपीएल : हमारी खराब 'कैचिंग' ने अंतर पैदा किया : पार्थिव पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। गुजरात टाइटंस के सहायक कोच पार्थिव पटेल ने स्वीकार किया कि कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ आईपीएल के मैच में उनकी खराब कैचिंग (कैच छोड़ना) महंगी साबित हुई और इसने मुख्य अंतर पैदा किया।

गुजरात टाइटंस ने चार कैच छोड़े, जिनमें फिन एलन को मिले दो जीवनदान भी शामिल हैं। एलन ने इसका फायदा उठाकर 35 गेंद पर 93 रन बनाए और अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई।

पटेल ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, ''मुझे लगता है कि कैच छोड़ना ही एक ऐसी चीज है जिसने मैच में मुख्य अंतर पैदा किया। जब आपका सामना अच्छे बल्लेबाजों से होता है तो आपको अधिक मौके नहीं मिलते। आपको जो भी मौका मिले उसका फायदा उठाना होता है लेकिन हम ऐसा नहीं कर पाए।''

एलन के अलावा गुजरात टाइटंस ने अंगकृष रघुवंशी और कैमरन ग्रीन को भी जीवनदान दिए। इन तीनों बल्लेबाजों ने इसका फायदा उठाकर अर्धशतक बनाए।

गुजरात टाइटंस इस मैच में हार के बावजूद 16 अंकों के साथ तालिका में दूसरे स्थान पर बना हुआ है, हालांकि प्लेऑफ में उसकी जगह अभी पक्की नहीं हुई है। वह अपना आखिरी मैच चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ खेलेगा।

पटेल ने कहा, ''हमारे लिए समीकरण काफी सरल हैं। हमें अन्य टीमों के परिणाम पर निर्भर रहने की जरूरत नहीं है। अगर हम अगला मैच जीत जाते हैं, तो हम क्वालीफाई कर जाएंगे। बात इतनी ही सरल है।''

सुविचार

क्रोध में लिया गया एक फैसला, जिंदगी भर का पछतावा बन सकता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सामूहिक व्यवहार ऐसा क्यों?

दिल्ली, बेंगलूरु और मुंबई में एक मशहूर ब्रांड की घड़ी खरीदने उमड़े लोगों ने जिस तरह हंगामा खड़ा किया, उससे सामूहिक व्यवहार को लेकर गहरी चिंता पैदा होती है। सार्वजनिक स्थान पर खड़े होने, चलने और बोलने का एक तरीका होता है। उससे हमारे बारे में कई बातों का पता चलता है। शिक्षित लोगों से उम्मीद की जाती है कि सार्वजनिक स्थानों पर उनका व्यवहार आदर्श होगा, लेकिन हाल के वर्षों में ऐसे कई मौके आए, जब भीड़ ने यह साबित किया कि हममें अनुशासन की भारी कमी है। लोगों को इसका भलीभांति प्रशिक्षण मिलना चाहिए। अगर कोई महंगी घड़ी पेश की जा रही है और काफी लोग उसे खरीदने के इच्छुक हैं तो यह काम शांतिपूर्वक भी हो सकता है। इसके लिए शोर-शराबा करने, कर्मचारियों से उलझने की क्या जरूरत है? एक घड़ी ही तो है! अगर आज नहीं मिली तो दो दिन बाद मिल जाएगी। ऐसा तो नहीं है कि जिसे पहले मिल गई, उसे विश्वविजेता की उपाधि दे दी जाएगी। इससे पहले, एक कंपनी का स्मार्टफोन खरीदने के लिए भीड़ ने इसी तरह अनुशासनहीनता दिखाई थी। कई लोगों ने जल्दी फोन खरीदने के लिए अन्य लोगों के साथ धक्का-मुक्की की। अच्छे-खासे पढ़े-लिखे, धाराप्रवाह अंग्रेजी बोलने वाले दूसरों को कोहनी मारते, अभद्र शब्द बोलते और शोर मचाते नजर आए थे। एक फोन के लिए इतने पापड़ बेलने की क्या जरूरत है? फोन ही है, कोई जादुई चिराग तो नहीं है कि उसे घिसते ही सारे अरमान पूरे हो जाएंगे! यह इस दुनिया का अंतिम फोन भी नहीं है। अगर आज नहीं मिला तो एक हफ्ते बाद मिल जाएगा। ऐसी चीजों के लिए हुड़दंग मचाकर हम अपने देश की कैसी छवि बना रहे हैं? अब सोशल मीडिया का जमाना है। कोई खबर कुछ ही सेकंडों में पूरी दुनिया में फैल जाती है। जब विदेशों में लोग हमारा ऐसा सामूहिक व्यवहार देखते हैं तो क्या सोचते हैं?

जापान का एक पर्यटक भारत घूमने आया तो उसने स्वदेश लौटकर हमारे खानपान और संस्कृति की बहुत तारीफ की। एक बात उसे अजीब लगी। उसने कहा, 'भारत में लोग बहुत हड़बड़ी में रहते हैं। जब लाल बत्ती हो जाती है, तब भी हॉर्न बजाते हैं और अपने वाहन को अगले वाहन के बिल्कुल नजदीक ले जाकर खड़ा कर देते हैं।' इन गतिविधियों से समय नहीं बचता, बल्कि अव्यवस्था फैलती है। कई लोग हरी बत्ती होने से कुछ पहले ही अपने वाहन को आगे ले जाते हैं। वे चार-पांच सेकंड की बचत कर इस रफ्तार से जाते हैं, जैसे दुनिया को बचाने की जिम्मेदारी इन्हीं के कंधों पर आ पड़ी है। रेलवे क्रॉसिंग पर रोजाना ही अजीब नजारे देखने को मिलते हैं। वहां तैनात कर्मचारी को फाटक बंद करने में बड़ी मशक्कत करनी पड़ती है। आखिरी सेकंड तक वाहनों में सबसे पहले निकलने की होड़ लगी रहती है। फाटक बंद होने पर भी कई दुपहिया वाहनचालक बाज नहीं आते। वे अपने वाहन को टेढ़ा कर ऐसे निकल भागते हैं, जैसे कोई किला फतह कर लिया। इस हरकत की वजह से हर साल सैकड़ों लोग हादसों के शिकार होते हैं। अगर घर से थोड़ा जल्दी निकलें, रेलवे क्रॉसिंग पर कुछ मिनट इंतजार कर लें तो हादसे की नौबत ही न आए। हमारे देश में कुछ लोगों की एक अजीब आदत अक्सर चर्चा का विषय बनती है। जब कहीं सामान से लदा कोई वाहन पलट जाता है, तब उन लोगों की लॉटरी निकल आती है। वे चालक की मदद करने के बजाय सामान लूटने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। महाराष्ट्र में टमाटरों से भरा एक ट्रक पलटा तो बड़ी संख्या में लोग इकट्ठे हुए। उन्होंने कुछ ही समय में टमाटरों पर हाथ साफ कर दिया। पश्चिम बंगाल में चावल से भरा एक ट्रक दुर्घटनाग्रस्त हुआ तो कई लोगों ने इसे सुनहरा मौका समझा। उत्तर प्रदेश में एक सड़क पर बिस्किट से भरा ट्रक पलटा तो लोग माल समेटने में व्यस्त हो गए। ऐसी घटनाएं बड़े हादसों की वजह बन सकती हैं, खासकर जब वाहन में तेल या कोई ज्वलनशील सामग्री हो। बच्चों को स्कूली जीवन से ही यह शिक्षा दी जाए कि सार्वजनिक स्थानों पर हमारा व्यवहार अच्छा होना चाहिए। छोटी-छोटी आदतों से ही राष्ट्रीय चरित्र का निर्माण होता है। हमें इस बात का बहुत ध्यान रखना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

जोधपुर में पीने के पानी को लेकर हालात लगातार खराब होते जा रहे हैं। शहर में पानी की कमी से परेशान हैं, और हालात लगभग पानी की इमरजेंसी जैसे हो गए हैं। कायलाना तख्तसागर जलाशय में सिर्फ़ दो दिन का पानी बचा है।

-अशोक गहलोत

झुंझुनू विधायक राजेंद्र भांबू जी के छोटे भाई जोगेंद्र भांबू के अचानक निधन की खबर सुनकर बहुत दुख हुआ। मैं भगवान से प्रार्थना करता हूं कि दिवंगत आत्मा को अपने पवित्र चरणों में स्थान दें और दुखी परिवार को यह असहनीय दुख सहने की शक्ति और हिम्मत दें।

-दिया कुमारी

मुझे आज सीनियर जर्नलिस्ट विनोद पाठक जी की नई किताब जय तू सनातन धर्म: मिली, जो प्रयागराज महाकुंभ पर फोकस है।इस्स्यह किताब महाकुंभ के स्पिरिचुअल, कल्चरल और सोशल महत्व को अच्छे से दिखाती है। विनोद जी को दिल से बधाई।

-गजेन्मद्रसिंह शेखावत

प्रेरक प्रसंग

मृत्यु-भय

सम्राट अशोक के छोटे भाई वीतशोक को श्रमण-भिक्षुओं के प्रति श्रद्धा नहीं थी। उन्हें लगता ये सब उत्तम भोजन-वस्त्र के लोभ से भिक्षु बने हैं। उन्हें समझाने के लिए अशोक ने एक युक्ति सोची। एक दिन मंत्रियों ने वीतशोक से कहा सम्राट के बाद आप ही राजा होंगे। जरा ये वस्त्राभूषण पहनकर दिखाइये तो, आप कैसे लगते हैं। वीतशोक राजसी वस्त्र-अलंकार धारण कर सिंहासन पर बैठे ही थे कि सम्राट आ गये। उन्होंने कहा, 'मेरे रहते तुम्हारा यह दुस्साहस! तुम्हें राजद्रोह के अपराध में मृत्युदंड दिया जायेगा।' मंत्रियों के अनुनय-विनय करने पर अशोक ने कहा, 'ठीक है। प्राणदंड तो अवश्य मिलेगा किन्तु यह मेरा प्रिय भाई है, पहले एक सप्ताह तक राजसुख भोगे।' वीतशोक सात दिन के लिए राजा हुए। राजसी ऐश्वर्य से परिपूर्ण सात दिन। किन्तु उसके पीछे हर समय दो खड्गधारी वधिक चलते जो उन्हें प्रतिक्षण आसन्न-मृत्यु की याद दिलाते रहते। सात दिन बाद वीतशोक को सम्राट के समक्ष प्रस्तुत किया गया। सम्राट ने हंसकर पूछा, 'कहो बंधु, कैसा लगा राजपद का सुख?' वीतशोक ने कहा' 'कैसा सुख? कहां का भोग-विलास? जिसके पीछे हर समय नंगी तलवारें लिये मृत्यु चल रही हो, उसके लिये ये सुख भला किस काम के?' अशोक ने कहा, 'तुम एक मृत्यु के भय से सुख नहीं भोग सके।

सामयिक

नियंत्रित अनिश्चितता के दौर में अमेरिका और चीन

महेन्द्र तिवारी

इस बैठक का निष्कर्ष यही निकाला जा सकता है कि यह किसी नए युग का सूत्रपात नहीं है, बल्कि यह मौजूदा तनावपूर्ण संतुलन को सावधानीपूर्वक बनाए रखने का एक गंभीर प्रयास है ताकि दुनिया को किसी बड़े संकट से बचाया जा सके।

वैश्विक राजनीति के वर्तमान दौर में अमेरिका और चीन के बीच बीजिंग में आयोजित हुई उच्च स्तरीय बैठक को एक अत्यंत महत्वपूर्ण और संवेदनशील घटनाक्रम के रूप में देखा जा रहा है। वर्तमान समय में संपूर्ण विश्व एक जटिल और अभूतपूर्व दौर से गुजर रहा है, जहां क्षेत्रीय संघर्ष, ऊर्जा क्षेत्र की अस्थिरता, आपूर्ति शृंखला की अनिश्चितताएं और तकनीकी क्षेत्र में वर्चस्व की होड़ ने अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था पर भारी दबाव पैदा कर दिया है। ऐसी परिस्थितियों में दुनिया की 2 सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के शीर्ष नेताओं का एक मंच पर आना और संवाद की प्रक्रिया को आगे बढ़ाना अपने आप में एक बड़ा संदेश देता है। हालांकि, यदि इस बैठक के वास्तविक और व्यावहारिक परिणामों का मूल्यांकन किया जाए, तो वे जनसाधारण और विश्लेषकों की अपेक्षाओं से काफी सीमित रहे हैं। दोनों पक्षों ने वैश्विक समुदाय को यह दिखाने का पूरा प्रयास किया कि वे सीधे सैन्य या राजनीतिक टकराव के बजाय संबंधों में स्थिरता और एक नियंत्रित प्रतिस्पर्धा के ढांचे के भीतर काम करना चाहते हैं। इस वार्ता के दौरान बातचीत का लहजा भले ही कूटनीतिक शिष्टाचार से परिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण रहा हो, लेकिन जब बात बुनियादी रणनीतिक मतभेदों और दीर्घकालिक विवादों पर ठोस सहमति बनाने की आई, तो वहां कोई बड़ा बदलाव या ऐतिहासिक मोड़ देखने को नहीं मिला। यही कारण है कि इस पूरी कूटनीतिक कवायद को एक बड़े बदलाव की शुरुआत मानने के बजाय वैश्विक संतुलन को बनाए रखने का एक अस्थायी प्रयास माना जा रहा है।

इस पूरी वार्ता के केंद्र में दोनों महाशक्तियों के बीच के आर्थिक और व्यापारिक संबंध रहे, जो पिछले कई वर्षों से गंभीर तनाव के दौर से गुजर रहे हैं। दोनों देशों के नेतृत्व ने इस यथार्थ को पूरी गंभीरता से स्वीकार किया कि वर्तमान वैश्विक आर्थिक ढांचे की स्थिरता इन दोनों के आपसी संबंधों पर टिकी है। अमेरिका और चीन जैसी 2 विशाल आर्थिक शक्तियों के बीच व्यापारिक संबंधों का पूरी तरह से टूट जाना न तो इन दोनों देशों के हित में होगा और न ही शेष विश्व इसके आर्थिक झटके को झेलने में सक्षम है। इसी समझ के आधार पर बैठक के दौरान कुछ सीमित आर्थिक संकेतों और समझौतों पर चर्चा आगे बढ़ी, जिनमें मुख्य रूप से कृषि उत्पादों की बड़े पैमाने पर खरीद, ऊर्जा व्यापार में सहयोग की संभावनाएं और विमानन उद्योग से जुड़े कुछ संभावित सौदे शामिल रहे। कुछ कूटनीतिक विवरणों से यह भी संकेत मिले कि चीन आने वाले समय में अमेरिकी कृषि उत्पादों और नागरिक उड्डयन क्षेत्र को 1 बड़ा क्रय प्रस्ताव देने पर विचार कर सकता है। लेकिन इन तमाम सकारात्मक चर्चाओं के बावजूद यह ध्यान रखना आवश्यक है कि ये सभी कदम अभी बेहद शुरुआती और प्रारंभिक स्तर पर हैं। इन्हें किसी औपचारिक, व्यापक या दीर्घकालिक व्यापार समझौते का रूप नहीं दिया जा सका है, जो दोनों देशों के व्यापारिक असंतुलन को स्थाई रूप से दूर कर सके।

व्यापारिक स्तर पर सहयोग की इस धीमी सुगबुगाहट के समांतर सबसे जटिल और विवादित विषय सीमा शुल्क और तकनीकी प्रतिबंधों का बना रहा। दोनों देशों के बीच लंबे समय से चल रहे व्यापार युद्ध और एक-दूसरे के उत्पादों पर लगाए गए भारी करों को कम करने की दिशा में इस बैठक से कोई ठोस और स्पष्ट कार्ययोजना सामने नहीं आ सकी। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि इस उच्च स्तरीय बैठक का प्राथमिक उद्देश्य किसी नए या आदर्श वैश्विक व्यापार ढांचे की स्थापना करना था ही नहीं, बल्कि इसका तात्कालिक लक्ष्य मौजूदा आर्थिक तनाव को एक सीमा से अधिक बढ़ने से रोकना था। इस दृष्टिकोण से विचार करने पर यह स्पष्ट होता है कि यह वार्ता कूटनीतिक मोर्चे पर एक प्रकार के अस्थायी विराम की तरह काम कर रही है, जिसमें दोनों पक्ष अपने-अपने राष्ट्रीय और आर्थिक हितों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए सीधे आर्थिक महायुद्ध से बचने का मार्ग तलाश रहे हैं।

इस पूरी बीजिंग वार्ता का सबसे संवेदनशील, जटिल और रणनीतिक रूप से खतरनाक विषय ताइवान का मुद्दा रहा। चीन ताइवान को अपनी मुख्य भूमि का अटूट हिस्सा और अपने संप्रभु क्षेत्र का एक अनिवार्य अंग मानता है, जबकि इसके विपरीत अमेरिका ताइवान के साथ मजबूत रणनीतिक, कूटनीतिक और रक्षा संबंध बनाए हुए है। इस मुद्दे पर चीनी पक्ष की ओर से अत्यंत कड़े और स्पष्ट शब्दों में यह संदेश दिया गया कि यदि ताइवान को लेकर स्थिति में कोई भी नकारात्मक बदलाव हुआ या अंतरराष्ट्रीय शक्तियों द्वारा स्थापित सीमाओं का उल्लंघन किया गया, तो दोनों महाशक्तियों के संबंध एक अत्यंत गंभीर संकट में फंस सकते हैं। दूसरी ओर, अमेरिकी कूटनीति ने भी अपनी पारंपरिक नीति में किसी बड़े या क्रांतिकारी बदलाव का संकेत नहीं दिया। अमेरिका ने स्थिति को जानबूझकर रणनीतिक रूप से खुला रखने और अपनी पुरानी स्थिति पर अडिग रहने का दृष्टिकोण अपनाया। यह परस्पर विरोधी रुख साफ तौर पर यह दर्शाता है कि ताइवान का मुद्दा आने वाले समय में भी संपूर्ण एशिया प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा का सबसे बड़ा संकट बना रहेगा और निकट भविष्य में इसका कोई शांतिपूर्ण या सर्वमान्य समाधान निकलने की संभावना बेहद कम है। आधुनिक युग की महाशक्ति बनने की दौड़ में तकनीकी क्षेत्र का नियंत्रण एक निर्णायक कारक साबित हो रहा है, और इस बैठक में भी तकनीकी प्रतिस्पर्धा का तनाव पूरी तरह उभरकर सामने आया। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अर्धचालक उद्योग, उन्नत चिप निर्माण तकनीक और वैश्विक आपूर्ति शृंखला पर नियंत्रण जैसे अत्यंत महत्वपूर्ण विषयों पर दोनों पक्षों के बीच गहन चर्चा तो हुई, लेकिन किसी भी विषय पर कोई ठोस, लिखित या दीर्घकालिक समझौता नहीं हो सका। वैश्विक तकनीकी बाजार और वैश्विक अर्थव्यवस्था पहले से ही इन दोनों शक्तिशाली देशों की प्रतिबंधात्मक नीतियों, निर्यात नियंत्रणों और सुरक्षा कानूनों से गहराई से प्रभावित हैं। इस बैठक के परिणामों से यह साफ है कि आने वाले समय में उन्नत तकनीकों के विकास और उनके बाजार पर कब्जे को लेकर यह होड़ थमने वाली नहीं है, बल्कि इसके और अधिक तीव्र होने की पूरी आशंका है।

इस बीजिंग बैठक का एक और महत्वपूर्ण आयाम यह है कि इसे केवल 2 देशों के द्विपक्षीय संबंधों के चश्मे से नहीं देखा जा सकता, बल्कि इसके गहरे वैश्विक संदर्भ और निहितार्थ हैं। वर्तमान में कच्चे तेल के बाजार और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर पश्चिम एशिया में जारी संघर्षों का प्रतिकूल प्रभाव पहले से ही दिखाई दे रहा है। ऐसे संवेदनशील समय में यदि अमेरिका और चीन के बीच का तनाव किसी भी स्तर पर अनियंत्रित होता है, तो वह वैश्विक स्तर पर महंगाई, मुद्रास्फीति और आर्थिक मंदी को अत्यधिक बढ़ा सकता है। यही कारण है कि दोनों देशों के जिम्मेदार नेताओं ने दुनिया को यह आश्वस्त करने का प्रयास किया कि वे एक विनाशकारी संघर्ष के बजाय एक नियम-आधारित और संतुलित प्रतिस्पर्धा को प्राथमिकता देंगे।

हालांकि इस संपूर्ण कूटनीतिक कवायद के पीछे का एक कड़वा यथार्थ यह भी है कि दोनों महाशक्तियों के बीच आपसी विश्वास का स्तर ऐतिहासिक रूप से सबसे निचले स्तर पर पहुंच चुका है। गहरी आर्थिक अंतर्निर्भरता के बावजूद रणनीतिक, वैचारिक और भू-राजनीतिक मुद्दों पर मतभेद इतने गहरे और मौलिक हैं कि किसी भी बड़े या स्थाई समझौते तक पहुंचना व्यावहारिक रूप से असंभव प्रतीत होता है। यही कारण है कि कूटनीतिक मामलों के जानकार इस बैठक को किसी स्थाई शांति समझौते के रूप में नहीं, बल्कि केवल एक अस्थाई स्थिरता लाने के प्रयास के रूप में देखते हैं। वैश्विक राजनीति में यह स्थिति एक नई प्रवृत्ति को रेखांकित करती है, जहां सहयोग और टकराव दोनों समानांतर रूप से चलते हैं और कोई भी पक्ष अपने मूलभूत हितों से पीछे हटने को तैयार नहीं होता। इस पूरे परिदृश्य में सबसे बड़ी वास्तविकता यह है कि अब वैश्विक शक्ति का संतुलन एकध्रुवीय नहीं रह गया है। पिछले 1 या 2 दशकों में चीन का आर्थिक, सैन्य और रणनीतिक प्रभाव अभूतपूर्व गति से बढ़ा है, जबकि अमेरिका अभी भी वैश्विक वित्तीय प्रणाली और पारंपरिक सैन्य शक्ति के मामले में दुनिया में अग्रणी स्थान पर बना हुआ है। इस कारण दोनों देशों के बीच की यह प्रतिस्पर्धा केवल व्यापारिक मुनाफे तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक गहरी वैचारिक और रणनीतिक वर्चस्व की लड़ाई है। चूंकि इस समय दोनों में से कोई भी पक्ष दूसरे पर एकतरफा या निर्णायक बढ़त बनाने की स्थिति में नहीं है, इसलिए इस प्रकार की उच्च स्तरीय वार्ताएं अक्सर बेहद सीमित और प्रतीकात्मक परिणामों पर ही समाप्त होती हैं। अंततः इस बैठक का निष्कर्ष यही निकाला जा सकता है कि यह किसी नए युग का सूत्रपात नहीं है, बल्कि यह मौजूदा तनावपूर्ण संतुलन को सावधानीपूर्वक बनाए रखने का एक गंभीर प्रयास है ताकि दुनिया को किसी बड़े संकट से बचाया जा सके।

नजरिया

ईरान को भारत से है चाबहार बंदरगाह विकसित करने की उम्मीद

प्रमोद भार्गव

मो. 9981061100

अमेरिका-ईरान-इजरायल युद्ध के दौरान भारतीय विपक्ष, मोदी विरोधी मीडिया और कुछ चरमपंथियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पश्चिम एषिया की इस विशम स्थिति में दोशी ठहराने के आरोप लगाए थे। कूटनीतिक रणनीति में पाकिस्तान को केवल इसलिए सफल ठहराने के कसीदे काढ़े गए, क्योंकि अमेरिका और ईरान के बीच असफल रहीं समझौते की बैठकें इस्लामाबाद में हुई थीं। यह भी आषंकाएं जताई जा रही थीं कि स्पश्ट नीति नहीं होने के कारण भारत और ईरान के संबंधों में खटास उत्पन्न हो रही है। किंतु अब इन सब कुशंकाओं के विपरीत भारत दौरे पर आए ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने ईरान में भारत के सहयोग से निर्माणाधीन चाबहार बंदरगाह को एक सुनहरे दरवाजे और सहयोग का प्रतीक बताते हुए उम्मीद जताई कि भारत इस रणनीतिक बंदरगाह को विकसित करना जारी रहेगा। भारत ही इस क्षेत्र में प्रभावशाली रचनात्मक भूमिका निभा सकता है। अराघची ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक में शामिल होने के बाद नई दिल्ली में ईरानी दूतावास में ठहरे थे। यहीं उनकी विदेश मंत्री एस. जयशंकर से हुई द्विपक्षीय हुई वार्ता में यह बात निकलकर आई है।

अराघची ने इस बंदरगाह के विकास में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार करते हुए कहा कि अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण इस परियोजना में सुस्ती आ गई है, लेकिन मुझे विश्वास है कि यह बंदरगाह भारत के लिए मध्य एशिया और फिर इस आवागमन मार्ग के रूप में यूरोप तक पहुंचने का सुनहरा दरवाजा साबित होगा। साथ ही यूरोपीय लोगों, मध्य-एशियाई लोगों और अन्य लोगों के लिए हिंद महासागर तक पहुंचने का भी माध्यम बनेगा। यह रणनीतिक दृष्टि से एक अत्यंत महत्वपूर्ण बंदरगाह है। ईरान और भारत के अलावा अन्य देशों के लोगों के लिए भी यह बंदरगाह उपयोगी साबित होगा। अतएव मुझे उम्मीद है कि भारत चाबहार बंदरगाह परियोजना को पूरा करेगा ताकि अन्य देश भी इसका लाभ उठा सकें। अराघची ने यहां तक कहा कि भारत ही वह देश है, जो पश्चिम एशिया में शांति के लिए अहम भूमिका निभा सकता है।

दिल्ली में संपन्न हुए ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों के सम्मेलन के बाद आया अराघची का बयान इस बात का संकेत है कि भारत ही वह देश है, जिससे शांति और समावेशन की उम्मीद की जा सकती है, क्योंकि इस भू-राजनीतिक क्षेत्र के ईरान समेत लगभग सभी देशों से भारत के मैत्रीपूर्ण संबंध हैं। अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच युद्ध के चलते अराघची के बयान को बढ़ते ऊर्जा और आर्थिक संकट के परिप्रेक्ष्य में वैष्विक चिंता के रूप में भी देखने की जरूरत है। दरअसल भारत ने ईरान के साथ चाबहार स्थित षाहिद बेहेस्ती बंदरगाह के संचालन के लिए एक समझौता किया हुआ है। 10 वर्शों के लिए हुए इस समझौते पर दोनों देषों के संधि पत्र पर हस्ताक्षर भी हो चुके थे। परंतु हस्ताक्षर के चंद घंटों बाद भी ईरान पर लगाए गए अमेरिकी प्रतिबंधों के चलते यह समझौता खटाई में पड़ा हुआ है।

इंडियन पोर्टस ग्लोबल लिमिटेड और ईरान के बंदरगाह एवं समुद्री संगठन के बीच 13 मई 2016 को समझौता हुआ था। भारत के तबके जहाजरानी मंत्री सर्बानंद सोनोबाल ने ईरान पहुंचकर अपने समकक्ष के साथ इस समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।

इंडिया पोर्ट ग्लोबल लिमिटेड को करीब 120 मिलियन डॉलर का निवेश करना था। भारत सरकार की यह संस्था सागरमाला विकास कंपनी की सहायक कंपनी है। कंपनी की वेबसाइट के मुताबिक चाबहार स्थित शाहिद बेहिश्ती बंदरगाह को विकसित करने के लिए ही इस कंपनी को अस्तित्व में लाया गया था। इसका लक्ष्य भूमि से घिरे अफगानिस्तान और मध्य-एशियाई देशों के लिए मार्ग तैयार करना था। यह कंपनी कंटेनरों के संचालन से लेकर वेयरहाउसिंग तक का काम करती है। इंडिया पोर्ट ने इस बंदरगाह का संचालन सबसे पहले साल 2018 के अंत में शुरू किया था। तब ईरान के परमाणु कार्यक्रम, मानवाधिकार उल्लंघन और चरमपंथी संगठनों को मदद करने के आरोप में अमेरिका ने ईरान पर अनेक व्यापक असर डालने वाले प्रतिबंध लगा दिए थे। 1998 में जब पोखरण में भारत ने परमाणु परीक्षण किया था तब भी अमेरिका ने भारत पर प्रतिबंध लगाए थे। भारत सरकार को अपने पूंजी निवेश से इस बंदरगाह पर पांच गोदियों का निर्माण करना है। इनमें से दो बनकर तैयार हो गई हैं। इनमें से एक पर जब भारत का गेहूं से भरा पहला जहाज इस बंदरगाह पर पहुंचा था, तब उसकी अगवानी ईरान के तब के राष्ट्रपति हसन रुहानी ने की थी। इसी के साथ इस बंदरगाह का औपचारिक उद्घाटन भी संपन्न हो गया था। भारत के लिए यह बंदरगाह आर्थिक, सामरिक एवं रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण है। इस परियोजना के पहले चरण को 'शाहिद बेहिश्ती पोर्ट' के नाम से जाना जाता है। वैसे चाबहार का अर्थ चारों ओर बहार अर्थात खुशहाली से है। ईरान के सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत में स्थित इस बंदरगाह की भौगोलिक स्थिति बेहद अहम है। चाबहार ओमान की खाड़ी में स्थित है। अतएव यह बंदरगाह भारत के लिए मध्य एषिया, यूरोप, रूस और अफगानिस्तान में प्रवेष के लिए एक द्वार माना जाता है।

चाबहार के सबसे निकट गुजरात का कंडला बंदरगाह 1016 किमी और मुंबई बंदरगाह की दूरी 1455 किमी है। यहां से महज 140 किमी दूर पाकिस्तान का ग्वादर बंदरगाह है। इसे चीन ने विकसित किया है। यह बहुत पहले से संचालित है। दरअसल पाकिस्तान ने कूटनीतिक चाल चलते हुए अपने क्षेत्र से भारतीय जहाजों को अफगानिस्तान ले जाने से मना कर दिया था। नतीजतन भारत ने वैकल्पिक मार्ग की तलाश किया और चाबहार बंदरगाह ईरान के साथ हुए द्विपक्षीय समझौते के बाद अस्तित्व में आया। भारत के लिए यह रास्ता इसलिए बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि पाक और चीन की मिली-जुली रणनीति के तहत भारत को दक्षिण एषिया में हाषिए पर डालने की कुटिल चाल अपनाई हुई है। चीन ने दक्षिण एषिया में बड़ा पूंजी निवेष करते हुए पाक, श्रीलंका, बांग्लादेष, नेपाल आदि देषों से मजबूत आर्थिक व सामरिक संबंध बना लिए हैं। इनके जरिए चीन एवं पाक ने भारत और अफगानिस्तान के बीच व्यापार को प्रतिबंधित करने की कोषिष की थी, जो अब तक नाकाम रही है। भारत से बंदरगाह बनवाए जाने की बुनियाद 2002 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटलबिहारी वाजपेयी और ईरानी राश्ट्रपति सैयद मोहम्मद खातमी ने डाली थी, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सकारात्मक पहल के बाद परवान चढ़ना षुरू हुई, लेकिन प्रतिबंधों के चलते अधूरी है। अटल बिहारी वाजपेयी जब प्रधानमंत्री थे, तब 2003 में ईरान के तत्कालीन खातमी दिल्ली आए थे। तभी भारत और ईरान के बीच चाबहार बंदरगाह को विकसित करने व रेल लाइन बिछाने और कुछ सड़कें डालने के समझौते हो गए थे, लेकिन विवादित परमाणु कार्यक्रम और अंतरराश्ट्रीय परिस्थितियां अनुकूल नहीं होने के कारण भारत इन कार्यक्रमों में रुचि होने के बावजूद कुछ नहीं कर पाया था। इस समय भारत को परमाणु षक्ति के रूप में उभरने व स्थापित होने के लिए अमेरिकी सहयोग व समर्थन की जरूरत थी।

भारत राजस्थान के रेगिस्तान में परमाणु परीक्षण के लिए तैयार था। परमाणु परीक्षण अप्रत्यक्ष तौर से परमाणु बम बना लेने की पुष्टि होती है। इसके तत्काल बाद पाकिस्तान और उत्तर कोरिया ने भी परमाणु बम बना लेने की तस्दीक कर दी थी। इसी समय भारत परमाणु निरस्त्रीकरण की कोशिश में लगा था। इस नाते भारत यह कतई नहीं चाहता था कि ईरान परमाणु शक्ति संपन्न देश बन जाए ? गोया, भारत को परमाणु अप्रसार संधि के मुद्दे पर अमेरिकी दबाव में ईरान के खिलाफ दो मर्तबा वोट देने पड़े थे। इन मतदानों के समय केंद्र में मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री थे। हालांकि 2012 में तेरहान में आयोजित गुट निरपेक्ष देषों के सम्मेलन में मनमोहन सिंह ईरान गए थे। उन्होंने सम्मेलन के अजेंडे से इतर ईरानी नेताओं से बातचीत भी की थी, लेकिन संवाद की करिष्माई षैली नहीं होने के कारण जड़ता टूट नहीं पाई थी। लिहाजा गतिरोध कायम रहा।

दरअसल चीन अपनी पूंजी से ग्वादर बंदरगाह का विकास अपने दूरगामी हितों को ध्यान में रखते हुए किया है। इसके मार्फत एक तो चीन हिंद महासागर तक सीधी पहुंच बनाने को आतुर है, दूसरे खाड़ी के देषों में पकड़ मजबूत करना चाहता है। चीन इसी क्रम में काषगर से लेकर ग्वादर तक 3000 किलोमीटर लंबा आर्थिक गलियारा बनाने में भी लगा है। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए चीन पाकिस्तान में 46 लाख अरब डॉलर खर्च कर रहा है। इससे यह आशंका उत्पन्न हुई है कि चीन इस बंदरगाह से भारत की सामरिक गतिविधियों पर खुफिया नजर रखेगा। अलबत्ता भारत को ग्वादर के इर्द-गिर्द चीन व पाकिस्तानी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए चाबहार के रूप में एक मकान मिल रहा था, जो बन नहीं पाया।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

दौरा

उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन, सिक्किम के राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर और मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग रविवार को गंगटोक स्थित लोक भवन दौरे के दौरान।

नयी सिनेमा नीति का अनावरण और फिल्म प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना करेगा ओडिशा : मुख्यमंत्री माझी

भुवनेश्वर/भाषा

ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने घोषणा की है कि उनकी सरकार ओडिया फिल्म उद्योग के पुनरुद्धार के लिए जल्द ही एक विशेष ओडिया सिनेमा नीति लागू करेगी तथा एक फिल्म प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना भी करेगी। माझी ने शुक्रवार को ओडिया सिनेमा पर आयोजित एक विशेष संगोष्ठी में भाग लेते हुए यह घोषणा की। उन्होंने फिल्म निर्माताओं से भगवान जगन्नाथ और उनसे जुड़ी ओडिया संस्कृति, कलिंग के समुद्री इतिहास, जनजातीय संस्कृति, चक्रवात और बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं के दौरान लोगों के संघर्ष तथा ग्रामीण ओडिशा के सुख-दुख जैसे विषयों पर फिल्म बनाने का सुझाव भी दिया। मुख्यमंत्री ने फिल्म जगत की कई प्रमुख हस्तियों और कलाकारों के साथ ओडिया सिनेमा की मौजूदा स्थिति और उसके भविष्य को लेकर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कहा, ''हम जल्द ही एक नयी फिल्म नीति लागू करेंगे, जिसका उद्देश्य ओडिया सिनेमा की अपनी अलग पहचान बनाना है।'' माझी ने कहा, ''सिनेमा केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं है, बल्कि यह किसी राष्ट्र की स्मृति, संस्कृति, विचार और आत्मा का सच्चा प्रतिबिंब है।''

ओडिया सिनेमा की लोकप्रियता पर टिप्पणी करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि ओडिया फिल्मों को कहीं और से नकल नहीं करनी चाहिए, बल्कि उनकी अपनी आवाज और पहचान होनी चाहिए। इस संगोष्ठी में फिल्म पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए चिलिका, कोणार्क और कोरापुट जैसे रमणीय स्थलों को प्रमुख शूटिंग स्थलों के रूप में विकसित करने की योजना पर भी चर्चा की गई। इसके अलावा, स्थानीय प्रतिभाओं को वैश्विक मंच प्रदान करने के लिए ओडिशा में एक अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव शुरू करने का प्रस्ताव भी रखा गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि ओडिया जीवन, संस्कृति और परंपरा पर आधारित सिनेमा दर्शकों को आकर्षित करेगा, इसलिए फिल्म निर्माण में कौशल प्रदान करने के लिए ओडिशा में एक फिल्म प्रशिक्षण संस्थान की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि ऐसा संस्थान राज्य में स्थापित किया जाएगा।

नेपाल के पर्वतारोही कामी रीता शेरपा ने 32वीं बार माउंट एवरेस्ट को फतह किया

काठमांडू/भाषा। नेपाल के पर्वतारोही कामी रीता शेरपा ने रविवार को दुनिया की सबसे ऊंची पर्वत चोटी 'माउंट एवरेस्ट' को 32वीं बार फतह करके इतिहास रच दिया। शेरपा ने एवरेस्ट पर सबसे अधिक बार सफलतापूर्वक चढ़ाई करने का अपना ही विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया।

पर्यटन विभाग के अनुसार, 56 वर्षीय अनुभवी पर्वतारोही रविवार पूर्वाह्न 10 बजकर 12 मिनट पर 8,849 मीटर ऊंचे शिखर पर पहुंचे। विभाग ने बताया कि शेरपा '14 पीक्स एक्सपेडिशन' द्वारा संचालित एक अभियान का नेतृत्व कर रहे थे। काठमांडू पोस्ट की खबर के अनुसार, एवरेस्ट आधार शिविर स्थित पर्यटन विभाग के फील्ड कार्यालय ने सफलतापूर्वक चढ़ाई करने की पुष्टि की। जनवरी 1970 में कोशी प्रांत के सोलुखुम्बु जिले के एक गांव में जन्मे कामी रीता ने 1992 में एक पेशेवर पर्वतारोही के रूप में अपना करियर शुरू किया था। पर्यटन विभाग ने शेरपा को बधाई देते हुए कहा कि उनकी यह उपलब्धि नेपाल के पर्वतारोहण क्षेत्र और देश की अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा में महत्वपूर्ण योगदान को दर्शाती है।

प्रधानमंत्री मोदी ने नीदरलैंड में प्रतिष्ठित बांध का दौरा किया; जल प्रबंधन में सहयोग की उम्मीद जताई

हेग/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नीदरलैंड के प्रधानमंत्री रॉब जेटेन के साथ रविवार को प्रतिष्ठित अफस्लुइटडिज्क बांध का दौरा किया। भारत और नीदरलैंड के बीच जल प्रबंधन और जलवायु अनुकूल बुनियादी ढांचे में गहन सहयोग की संभावनाओं का पता लगाने के मद्देनजर ये दौरा हुआ है। बत्तीस किलोमीटर लंबा यह बांध और पुल बाढ़ नियंत्रण के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर ध्यान केंद्रित करता है, जो नीदरलैंड के बड़े हिस्से को उत्तरी सागर से बचाता है और साथ ही मीठे पानी के भंडारण को भी संभव बनाता है। मोदी ने दौरे के बाद सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, ''जल प्रबंधन एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें नीदरलैंड ने अभूतपूर्व कार्य किया है। इससे पूरा अंतरराष्ट्रीय समुदाय बहुत कुछ सीख सकता है।'' उन्होंने कहा, ''हम भारत में आधुनिक प्रौद्योगिकी लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जिसका उद्देश्य सिंचाई, बाढ़ सुरक्षा और अंतर्देशीय जलमार्ग नेटवर्क के विस्तार में सहायता करना है।'' विदेश मंत्रालय ने अफस्लुइटडिज्क बांध को ''उत्कृष्टता और नवाचार का प्रतीक'' बताते हुए जल प्रबंधन, बाढ़ सुरक्षा और मीठे पानी के भंडारण में इसकी भूमिका पर प्रकाश डाला। मंत्रालय ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, ''इस दौरे ने गुजरात में कल्पसर परियोजना के लिए डच विशेषज्ञता के महत्व को रेखांकित किया, जिसका उद्देश्य खंभात की खाड़ी के पास एक मीठे पानी का जलाशय और बांध बनाना है।'' मंत्रालय ने कहा, ''इस यात्रा ने जलवायु परिवर्तन से निपटने की क्षमता, जल प्रौद्योगिकी और टिकाऊ बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में भारत-नीदरलैंड सहयोग को और गहरा करने के अवसरों पर जोर दिया।'' मंत्रालय ने बयान में कहा, ''इस संबंध में, दोनों पक्षों ने कल्पसर परियोजना पर तकनीकी सहयोग के लिए भारत के जल शक्ति मंत्रालय और नीदरलैंड के अवसंरचना एवं जल प्रबंधन मंत्रालय के बीच आशय पत्र पर हस्ताक्षर का स्वागत किया।'' विदेश मंत्रालय के अनुसार, दोनों नेताओं ने इस बात पर गौर किया कि 'हाइड्रोलिक इंजीनियरिंग' में नीदरलैंड की विशेषज्ञता और भारत द्वारा कार्यान्वयन की व्यापक क्षमता पारस्परिक रूप से लाभकारी साझेदारी के अवसर प्रदान करती है।

ब्राह्मणों पर टिप्पणी के लिए अनुराग कश्यप के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने का आदेश

सूरत/भाषा

गुजरात के सूरत की एक अदालत ने शनिवार को फिल्म निर्माता-अभिनेता अनुराग कश्यप के खिलाफ ब्राह्मण समुदाय पर सोशल मीडिया में की गई टिप्पणियों के लिए आपराधिक मामला दर्ज करने का आदेश दिया।

प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट (जेएमएफसी) ए. एस. जानी की अदालत ने वकील और विश्व हिंदू परिषद के नेता कमलेश रावल द्वारा दायर निजी शिकायत को आंशिक रूप से स्वीकार करते हुए कश्यप के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने का निर्देश दिया।

अदालत ने कहा कि यह मानने का कारण है कि सोशल मीडिया पोस्ट को आरोपी द्वारा इस तरह से कई बार पोस्ट किया गया था जिससे एक निश्चित समुदाय की मानहानि होती है।

न्यायालय ने भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के तहत मामला दर्ज करने का निर्देश दिया। ब्राह्मण समुदाय से संबंध रखने वाले शिकायतकर्ता ने कश्यप द्वारा सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर आपत्तिजनक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर अदालत का रुख किया, जिसके बारे में उनका कहना है कि इसने पूरे ब्राह्मण समुदाय को बदनाम किया है।

गर्मी

पंजाब के जालंधर जिले में भीषण गर्मी से राहत पाने के लिए महिलाएं रविवार को अपने चेहरे कपड़ों से ढंककर निकलती हुई।

हंबनटोटा बंदरगाह के निकट रणनीतिक हवाई अड्डे को पट्टे पर देने की श्रीलंका की योजना पर भारत की नजर

नई दिल्ली/भाषा। भारत, चीन के नियंत्रण वाले हंबनटोटा बंदरगाह के निकट स्थित श्रीलंका के एक हवाई अड्डे के संचालन में विदेशी निवेशकों को हिस्सेदारी देने की योजना पर करीबी नजर रखे हुए है। मामले से परिचित लोगों ने रविवार को यह जानकारी दी। मामले से जुड़े लोगों ने कहा कि यह कदम हिंद महासागर क्षेत्र में रणनीतिक उपस्थिति मजबूत करने की इच्छुक भारतीय कंपनियों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर साबित हो सकता है। श्रीलंका सरकार ने हंबनटोटा स्थित मट्टाला राजपक्षे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के संचालन और विकास के लिए 30-वर्षीय निर्माण-संचालन-हस्तांतरण मॉडल के तहत घरेलू और विदेशी निवेशकों से नौ जून तक अभिरुचि-पत्र आमंत्रित किए हैं।

प्रदर्शन

यूनाइटेड हिंदू फ्रंट के सदस्यों और समर्थकों ने रविवार को शाहदरा में विरासत स्थलों को न्याय दिलाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया।

प्रमोशन

अभिनेत्री शरवरी वाघ, अभिनेता वेदांग रैना और फिल्मकार इम्तियाज अली ने रविवार को मुंबई में अपनी आगामी फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' के प्रमोशन के दौरान हिस्सा लिया।

'इमोशनल सपोर्ट' सायली-सचिन के रिश्ते की असली ताकत : नेहा हरसोरा

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री नेहा हरसोरा इन दिनों स्टार प्लस पर प्रसारित धारावाहिक 'उड़ने की आशा' में नजर आ रही हैं। वह सीरियल में 'सायली' का मुख्य किरदार निभा रही हैं। आईएएनएस के साथ खास बातचीत के दौरान अभिनेत्री ने निजी जीवन की पसंद-नापसंद के बारे में बताया। धारावाहिक 'उड़ने की आशा' में नेहा के 'सायली' और सह-कलाकार कंवर ढिल्लन के 'सचिन' की ऑन-स्क्रीन जोड़ी को काफी पसंद किया जा रहा है। आईएएनएस ने अभिनेत्री से पूछा, सचिन और सायली परिवार की हर मुश्किल का सामना मिलकर करते नजर आते हैं। क्या आपको लगता है कि अब उनका रिश्ता एक भावनात्मक साझेदारी भी बन गया है? अभिनेत्री ने कहा, सच तो यह है कि सचिन और सायली शुरू से ही एक-दूसरे के लिए भावनात्मक रूप से खड़े रहे हैं। हालांकि, उनकी पहली प्राथमिकता हमेशा उनका परिवार ही रहा है। चाहे परिवार के सदस्यों ने उनके साथ कैसा भी बर्ताव क्यों न किया है, सायली और सचिन के लिए उनके माता-पिता और भाई-बहन हमेशा मायने रखते हैं।

शूटिंग के व्यस्त शेड्यूल और गर्मी के बीच तालमेल बिठाने पर नेहा कहती हैं, यह वाकई बहुत मुश्किल है। शहर में विकास कार्यों और फ्लाईओवर्स की वजह से पेड़ों की कटाई हुई है, जिससे गर्मी और बढ़ गई है। काफी बार छांव में खड़े रहना भी मुश्किल हो जाता है। इस गर्मी में बचने का कोई रास्ता नहीं है। बस अपने शरीर में पानी की कमी न होने दें, खूब सारा पानी पिएं और जब भी मुमकिन हो, ठीक से आराम करें।

गर्मी की छुट्टियों के नाम पर अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें सबसे पहले मां की याद आती है। उन्होंने कहा, गर्मी का असर अब उनकी भूख पर भी देखने को मिलती है। इस मौसम में लोग जल्दी कमजोरी महसूस करने लगते हैं।

ऐसे में बहुत भारी वर्कआउट के बजाय हल्की-फुल्की एक्सरसाइज और योग शरीर को स्वस्थ रखने के लिए पर्याप्त है। अभिनेत्री से पूछा कि अगर आपको अपने किसी को-स्टार के साथ गर्मियों की एक परफेक्ट छुट्टी प्लान करनी हो, तो आप किसे चुनेंगी और कहां जाएंगी? अभिनेत्री ने तुरंत अपनी दोस्त रिया का नाम लिया। उन्होंने कहा, जहां तक जगह की बात है, सच कहूं तो अभी मैं किसी लंबी यात्रा के बारे में सोच भी नहीं पा रही हूं। मुंबई ही मुझे आरामदायक लगता है क्योंकि मुझे रोजाना यहां रहने की आदत हो गई है।

'प्यार का पंचनामा' ने बदली नुसरत भरूचा की किस्मत

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री नुसरत भरूचा ने छोटे-छोटे रोल और लंबे संघर्ष के बाद इंडस्ट्री में अपनी मजबूत जगह बनाई, लेकिन उनकी किस्मत का असली मोड़ एक फिल्म से आया, जिसके लिए वह पहली पसंद नहीं थीं। कई ऑडिशन और टेस्ट के बाद जब उन्हें 'प्यार का पंचनामा' में मौका मिला तो उसी फिल्म ने उनकी पूरी जिंदगी बदल दी और उन्हें एक नई पहचान दिलाई। नुसरत भरूचा का जन्म 17 मई 1985 को मुंबई में हुआ था। उन्होंने अपनी पढ़ाई मुंबई में ही पूरी की। बचपन से ही उन्हें अभिनय में दिलचस्पी थी और इसी वजह से उन्होंने बहुत कम उम्र में टीवी इंडस्ट्री की ओर कदम बढ़ाया। उनके करियर की शुरुआत साल 2002 में टीवी शो 'किट्टी पार्टी' से हुई थी। इस शो में उनका रोल छोटा था, लेकिन कैमरे के सामने काम करने का यह उनका पहला अनुभव था। इसके बाद वह टीवी शो 'सेवन' में भी नजर आईं, जहां उन्हें लीड रोल मिला, हालांकि टीवी पर उन्हें बड़ी पहचान नहीं मिल पाई और उन्होंने फिल्मों की ओर रुख कर लिया। साल 2006 में नुसरत ने फिल्म 'जय संतोषी मां' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। यह फिल्म उनके लिए एक बड़ा मौका थी, लेकिन यह बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं हो सकी। इसके बाद उन्होंने 'लव सेक्स और धोखा' जैसी फिल्मों में भी काम किया, लेकिन शुरुआती दौर में उन्हें लगातार संघर्ष और असफलताओं का सामना करना पड़ा। वह इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाने के लिए लगातार ऑडिशन देती रहती थी। नुसरत के करियर का सबसे बड़ा मोड़ फिल्म 'प्यार का पंचनामा' से आया लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि इस फिल्म के लिए वह पहली पसंद नहीं थीं। इस रोल के लिए कई एक्ट्रेसेस के ऑडिशन हुए थे और नुसरत को भी कई टेस्ट देने पड़े थे। काफी मेहनत और स्क्रीन टेस्ट के बाद उन्हें यह किरदार मिला। जब फिल्म रिलीज हुई, तो उनकी एक्टिंग और स्क्रीन प्रजेंस को दर्शकों ने खूब पसंद किया।

कान्स फिल्म फेस्टिवल: बनारसी साड़ी में रेड कार्पेट पर उतरीं हुमा कुरैशी

मुंबई/एजेन्सी

इन दिनों भारतीय अभिनेत्रियां कान्स फिल्म फेस्टिवल में वेस्टर्न ड्रेसेस में अपना जलवा बिखेर रही हैं, वहीं अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने अपने भारतीय लुक से सभी को हैरान कर दिया। शनिवार को हुमा ने सोशल मीडिया पर अपने कान्स का लुक शेयर किया, जिसमें वे पारंपरिक बनारसी साड़ी में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने अपने लुक को सुनहरे रंग की पारंपरिक ज्वेलरी और हल्के मेकअप के साथ पूरा किया।

अभिनेत्री ने तस्वीरें पोस्ट कर लिखा, बनारस के घाटों से लेकर फ्रेंच रिवेरा तक। एक ऐसा बुना हुआ परिधान पहनने में कुछ बेहद खास बात है, जो ऐसा महसूस कराता है मानो उसने सदियों का सफर तय किया हो। हुमा कुरैशी ने फ्रांस में अपना अनुभव शेयर करते हुए बताया कि जहां चारों ओर सिनेमा और कहानियों का बोलबाला है, वहां कुछ ऐसा पहनना जो अपने आप में ही एक कहानी बयां करता हो, एक बेहद ही अलौकिक अनुभव है।

उन्होंने लिखा, मुझे इसकी सबसे अच्छी बात यह लगती है कि यह एक ही समय में दो अलग-अलग रूपों को अपने अंदर समेटे हुए है। एक तरफ इसमें बनारसी बुनाई का पुराना और पारंपरिक अंदाज है, तो दूसरी तरफ इसके डिजाइनों में एक नयापन और आधुनिक टच देखने को मिलता है, जो इसे अनोखा बनाता है। विदेशी सरजमीं पर उनके इस देसी अंदाज ने न सिर्फ सबका ध्यान खींचा, बल्कि सोशल मीडिया पर भी खूब सुर्खियां बटोरी। ताहिरा कश्यप, गायिका अकाशा और अभिनेत्री तिलोतमा समेत कई सेलेब्स ने कमेंट सेक्शन में प्रतिक्रिया दी। अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने जल्द ही यश की बहुचर्चित पीरियड गैंगस्टर ड्रामा फिल्म 'टॉक्सिक: ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स' में नजर आएंगी। इस फिल्म में अभिनेत्री 'एलिजाबेथ' का किरदार निभा रही हैं। गीतु मोहनदास के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में उनका लुक बेहद रहस्यमयी, शाही और खामोश खतरे से भरपूर है। यह फिल्म 1940 से 1970 के दशक के बीच गोवा पर आधारित एक डार्क गैंगस्टर ड्रामा है। इसमें क्राइम सिंडिकेट्स, ड्रग तस्करी और सत्ता की लड़ाई दिखाई जाएगी। इस फिल्म में यश के साथ फिल्म में कियारा आडवाणी, नयनतारा, हुमा कुरैशी, तारा सुतारिया और रुक्मणी वसंत भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।

तेरापंथ महिला मंडल ने संगठन यात्रा का आयोजन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरई। स्थानीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा निर्देशित संगठन यात्रा कार्यक्रम का आयोजन रविवार को स्थानीय तेरापंथ भवन में तमिलनाडु एवं केरल प्रभारी अनीता बरड़िया एवं शालिनी लुकड़ के उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। अलका पालगोता ने स्वागत गीत गाकर सभी का स्वागत किया।

मंत्री मधु पारख ने सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम में संरक्षिका चंद्रकांता कोठारी एवं सुमन बोथरा द्वारा प्रभारियों का सम्मान किया गया।

इस अवसर पर शालिनी लुकड़ ने साध्वीप्रमुखा श्रीजी का मंगल संदेश वाचन किया। वहीं अनीता बरड़िया ने तेरापंथ महिला मंडल, मदुरई द्वारा संचालित विभिन्न गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा करते हुए सदस्याओं ने जिज्ञासाओं का समाधान किया।

कार्यक्रम के दौरान कोषाध्यक्ष नैना पारख ने मंडल का आय-व्यय विवरण प्रस्तुत किया। भावना चौका हेतु तेरापंथ महिला मंडल, मदुरई की ओर से 31,000 की भावनापूर्ण राशि समर्पित की गई। मंत्री मधु पारख ने संचालन किया। नेहा दुधेड़िया ने धन्यवाद दिया।

सुन्दरकांड पाठ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तिरुपुर के माँ दुर्गा भक्त मंडल के तत्वावधान में रविवार को 1469वां सुन्दरकांड पाठ सुजानाराम सीरवी के निवास स्थान पर अण्डीपालयम मंगल रोड़ पर हुआ। मां दुर्गा भक्त मंडल की ओर से उपाध्यक्ष राजकुमार शर्मा ने सुजानाराम सीरवी के परिवार का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर मंडल के पदाधिकारी नवीन कुमार शर्मा, हीरालाल सरोज, भागीरथ गुलेरिया, बिसनलाल बोहरा, अशोक सैनी, हरीश शर्मा,अरविंद सिंह, गोपाल शाह, लखन सेन इत्यादि उपस्थित थे।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अखिल भारतीय प्राज्ञ जैन युवा मण्डल के राष्ट्रीय मंत्री बनने पर मनोज जैन से मुलाकात कर उनके सहयोगियों ने सम्मान किया। संघ के वरिष्ठ राजेन्द्र पोखरना, उपाध्यक्ष कमलेश छाजेड़, राजेश चौधरी, संदीप कांवड़िया ने मनोज जैन का सम्मान किया।

साहुकारपेट के स्वाध्याय भवन में ज्येष्ठ शुक्ल अमावस्या पर्व स्वाध्याय साधनापूर्वक मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के साहुकारपेट के बेसिन वाटर वर्क्स स्ट्रीट पर स्थित स्वाध्याय भवन में ज्येष्ठ अमावस्या पक्खी पर्व के प्रसंग को स्वाध्याय दिवस के रूप में मनाया गया। वरिष्ठ स्वाध्यायी वीरेन्द्र कांकरिया ने साध्वी भाग्यप्रभा के चिन्तन रुपी कृति प्रभु का पत्र का वांचन किया। स्वाध्यायियों ने प्रभु के साथ, प्रभु की बात के अंतर्गत साधना के समय को निश्चित करना, मिले समय को प्रभु भक्ति में,हर परिस्थिति को प्रभु की कृपा,प्रभु से अनंत प्रेम आदि पांच सूत्रों पर विस्तृत मार्मिक विवेचन किया। उपस्थित जिज्ञासु स्वाध्यायीगण द्वारा रखी जिज्ञासाओं का समाधान हुआ। हीरा चालीसा पर लिखित परीक्षा का आयोजन रखा गया। स्वाध्यायी महावीरचन्द बागमार ने स्वाध्याय अनुप्रेक्षा के अन्तर्गत विनम्रमुनिजी के प्रवचन पारिवारिक जीवन में आवश्यक हैं। संवादशीलता और सहिष्णुता पर अनुप्रेक्षा की व विभिन्न आगमों की गाथाओं व सूत्रों का उल्लेख किया। जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ तमिलनाडु के पूर्व कार्याध्यक्ष नरेन्द्र कांकरिया ने आलोयणा पाठ करते हुए स्वाध्यायियों को साधुवाद ज्ञापित किया।

श्राविका मण्डल की अध्यक्षा शशि कांकरिया, इंदरचंद कर्णावट, रुपराज सेठिया, पदमचन्द दीपक योगेश श्रीश्रीमाल, कान्तिलाल तातेड़, लीलमचन्द बागमार, गौतमचन्द मुणोत, वीरेन्द्र ओस्तवाल, उच्छबराज गांग, नवरतनमल कमलचन्द चोरडिया, इंदरचंद महावीरचन्द कर्णावट, महावीरचन्द छाजेड़, मालाराम विश्नोई आदि ने सामायिक परिवेश में उपस्थित रहकर परीक्षार्थियों के रुप में भाग लिया। बालक हितेन कोठारी ने दैनिक संकल्प सूत्र, योगेश श्रीश्रीमाल ने तीन मनोरथ चिन्तन सूत्र व प्रत्याख्यान कराए। इंदरचंद कर्णावट ने मंगल पाठ किया। सायंकालीन प्रतिक्रमण बादलचन्द बागमार ने करवाया। गुरु सुखसाता पाठ गौतमचन्द मुणोत ने करवाया । प्रतिक्रमण व सामूहिक वन्दन के पश्चात स्वाध्यायीगण ने चोबीसी की सामूहिक स्तुति करते हुए ज्येष्ठ शुक्ल अमावस्या पक्खी पर्व पर क्षमायाचना की।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

स्वच्छता व कचरा प्रबंधन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। महावीर इंटरनेशनल बेंगलूरु चैप्टर द्वारा दक्षिण पश्चिम रेलवे व दि इंडियन प्लॉगर्स आर्मी के सहयोग से बेंगलूरु सिटी रेलवे स्टेशन के मुख्य प्रवेश द्वार पर सुबह स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान में 200 से अधिक रेलवे कर्मचारियों, स्वयंसेवकों, महावीर इंटरनेशनल के सदस्यों, रेलवे प्रतिनिधियों तथा पर्यावरण प्रेमियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

चेयरमैन विजयराज सिसोदिया एवं उनकी टीम ने स्वयं कचरा एकत्रित कर आम जनता एवं यात्रियों को स्वच्छता एवं उचित कचरा प्रबंधन के प्रति जागरूक किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

'शासन सिंहनाद शिविर'

मैसूरु के जैन चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में शनिवार को संतश्री आगमशेखर विजयजी की निश्रा में 'शासन सिंहनाद शिविर' का आयोजन हुआ जिसमें शासन स्थापना वंदना एवं ध्वजारोहण हुआ। शिविर में 150 शिविरार्थियों ने भाग लिया। संतश्री ने एक ही परिवार में ट्रस्ट के मंदिर, उपाश्रय, आवास व भोजन व्यवस्था की सराहना की तथा इन्हें शिविर के लिए अनुकूल बताया। रविवार शाम को संगीतकार पारस गडा द्वारा आयोजित भक्ति कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

फूल पसंद हैं तो समता को चुनें, क्रोध रूपी कांटों को त्यागें : डॉ.समकितमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। श्रमण संघ के डॉ.समकितमुनिजी के सान्निध्य में रविवार को राजाजीनगर जैन स्थानक में 'रविवारीय सामायिक दिवस' के अवसर पर 'सामायिक' और 'समभाव' के अत्यंत गूढ़ रहस्यों को उद्घाटित किया गया ।प्रवचनसभा की शुरुआत करते हुए मुनिश्री ने श्रोताओं से एक सीधा प्रश्न किया कि आपको फूल पसंद हैं या कांटे? स्वाभाविक है कि हर इंसान फूल ही पसंद करता है।

इस पर गहरा कटाक्ष करते हुए गुरुदेव ने कहा, जब तुम्हें कांटा पसंद नहीं है, तो फिर अपने जीवन में 'क्रोध' क्यों पालते हो? क्रोध एक चुभने वाला कांटा है, समता और शांति एक महकता हुआ फूल है। यदि फूल पसंद है, तो समभाव को धारण कर वैसा ही जीवन जियो। आपकी पसंद कुछ और हो, और आपका जीवन कुछ और हो, इस दोहरेपन से कोई फायदा नहीं है।

सिर्फ परीक्षा देना महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि उसमें उत्तीर्ण होना महत्वपूर्ण है, आप जो चाहते हैं, आपको वैसा ही जीवन जीना होगा।ङ्क रविवारीय सामायिक के अवसर पर 'समभाव' रूपी फूल की महत्ता बताते हुए उन्होंने कहा, सामायिक को केवल स्थानक की चारदीवारी और 48 मिनट तक सीमित न रखें, इसे अपने जीवन में उतारें। जिसने सामायिक को अपने भीतर धारण कर लिया, वह किसी के द्वारा परेशान किए जाने पर भी अपने भावों को चलायमान नहीं करता। वह तो 'समाधि भाव' में जीता है। गुरुदेव ने आगम का रहस्य समझाते हुए कहा कि बारह व्रतों में सामायिक 'शिक्षा व्रत' के अंतर्गत आती है। शिक्षा का अर्थ ही है निरंतर अभ्यास। श्रेष्ठ धर्म का योग्य अभ्यास ही सच्ची शिक्षा है। जीवन में मनचाहा भी होता है और अनचाहा भी, दोनों ही परिस्थितियों में समान रहना आना चाहिए। जिस प्रकार हम सुख भरे दिनों को ख़ुशी से जीते हैं, यदि उसी प्रकार हम दुखों भरे दिनों को भी 'मुस्कुराकर' जी लें, तो समझ लेना कि तुम्हारी जिंदगी में सामायिक का फूल खिल गया है।

इस अवसर पर चेन्नई से जैन कॉन्फ्रेंस के राष्ट्रीय निवर्तमान अध्यक्ष आनंदमल छल्लानी, महावीर भंडारी, जयप्रकाश ललवानी, देवीचंद बरलोटा, सिंधनूर से किरण बम्ब व मुंबई, सादड़ी से अन्य गणमान्य तथा बेंगलूरु के विभिन्न क्षेत्रों से श्रद्धालु उपस्थित रहे। अंत में मंत्री विनय बम्ब ने विभिन्न सूचनाएं दी। अध्यक्ष जसवंत छाजेड़ ने सभी को धन्यवाद दिया।

नारायणी दादी परिवार एवं भाउवाला फाउंडेशन द्वारा 'सीधा दान' अभियान का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। सनातन धर्म की दान, सेवा और साधना की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए स्थानीय नारायणी दादी परिवार एवं भाउवाला फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में द्वितीय सिधा दान कार्यक्रम का आयोजन शनिवार को शनि जयंती, ज्येष्ठ अमावस्या (शनि अमावस्या) एवं वट सावित्री जैसे दुर्लभ और शुभ संयोग पर किया गया।

धार्मिक मान्यता के अनुसार, शनि जयंती, शनिवार और अमावस्या का संगम कर्म दोष शमन, पितृ तृप्ति एवं दान-पुण्य के लिए विशेष महत्व रखता है। इसी भावना से प्रेरित इस कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने सीधा दान के माध्यम से ब्राह्मणों को अन्न, राशन सामग्री एवं आर्थिक सहयोग अर्पित किया। विद्वान पंडितों ने दान स्वीकार कर सभी को आशीर्वाद प्रदान किया। ग़ौरतलब है कि सीधा दान में आटा, चावल, दाल, तेल, घी एवं चीनी जैसी आवश्यक सामग्री होती है।

राजस्थान संघ के नए मोक्षवाहिनी वाहन का हुआ लोकार्पण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। राजस्थान संघ कर्नाटक ट्रस्ट द्वारा मेवाड़ जैन बीसा ओसवाल संघ कर्नाटक एवं युवा संगठन के सहयोग से रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में नूतन मोक्ष वाहिनी के लोकार्पण का कार्यक्रम पैलेस ग्राउंड पर आयोजित हुआ। ट्रस्ट के चेयरमैन अनिल सकलेचा एवं अध्यक्ष कैलाश संखलेचा ने सभी का स्वागत किया। ट्रस्ट के मंत्री अमित मेहता ने संघ द्वारा संचालित 1 मोक्षरथ और 4 मोक्षवाहिनी निःशुल्क अंतिम यात्रा सेवा की जानकारी दी। मोक्ष वाहिनी चेयरमैन कमल पुनमिया एवं को-चेयरमैन जिनेश मेहता ने नूतन मोक्षवाहिनी के लाभार्थी मेवाड़ जैन बीसा ओसवाल संघ व युवा संगठन के सभी पदाधिकारियों, सदस्यों को धन्यवाद दिया। इस निशुल्क मोक्षरथ व मोक्षवाहिनी वाहन सेवा प्राप्त करने के लिए हेल्पलाइन नंबर 8884922022 तय किया गया हैं। इस मौके पर राजस्थान संघ, मेवाड़ संघ व युवा संगठन के अनेक सदस्य उपस्थित थे। राजस्थान संघ के उपाध्यक्ष ओम लुणावत ने धन्यवाद दिया।

अरिहंत एवेंजर्स टीम ने जीता 'कांठा प्रांत मोतीलाल मुणोत क्रिकेट कप'

रॉयल कोठरीस टीम बनीं उपविजेता, पुरस्कार वितरण कार्यक्रम सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय कांठा प्रांत जैन ट्रस्ट द्वारा आयोजित मोतीलाल मुणोत कप क्रिकेट प्रतियोगिता में सुरेंद्र गुंदेचा के स्वामित्व वाली टीम अरिहंत एवेंजर्स ने सुधीर कोठारी के स्वामित्व वाली टीम रॉयल कोठरीस को रोमांचक फाइनल मुकाबले में हराकर चौथी बार कप अपने नाम किया। ओकलीपुरम के रेलवे मैदान में आयोजित इस तीन दिवसीय प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले के पश्चात आयोजित पारितोषिक वितरण समारोह में ट्रस्ट के अध्यक्ष उत्तमचंद कोठारी ने सभी का स्वागत किया। आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित कांठा प्रांत के गुजरात प्रशासनिक सेवा के उपजिला अधिकारी उमेश प्रकाश गांधी ने युवाओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि आज खेल के साथ शिक्षा एक ऐसा माध्यम है जिससे प्रत्येक क्षेत्र में सफलता के शिखर को छुआ जा सकता है। उन्होंने इस क्षेत्र में आगे बढ़ने में उत्साहित युवाओं को मदद का भरोसा दिया। मुख्य प्रायोजक महेंद्र मुणोत ने कहा कि एक स्वस्थ मस्तिष्क की नींव एक स्वस्थ शरीर ही रखता है और खेल उसकी पहली सीढ़ी है।

नव गठित कांठा प्रांत जैन संघ, बेंगलूरु के अध्यक्ष श्रीपाल कुमार खिंवेसरा ने महिलाओं व युवाओं से कांठा प्रांत से सक्रिय रूप से जुड़कर जनोत्थान के कार्य करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में उपस्थित प्रतियोगिता के अन्य प्रायोजकों को संस्था की ओर से धन्यवाद दिया गया। प्रतियोगिता संयोजक विजय गुगलिया, सह संयोजक अमित कोठारी, किरण गुगलिया, रमेश बी. गुगलिया, राहुल कटारिया व विनोद गुगलिया प्रतियोगिता की विभिन्न व्यवस्थाएं संभाली। कार्यक्रम में सभी मैच के मैन ऑफ दि मैच व प्रत्येक मैच में सर्वाधिक छक्के लगाने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया गया। पीयूष गांधी को मैन ऑफ दि सिरीज व सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज तथा करण सिंघवी को सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। ट्रस्ट के महामंत्री सिद्धार्थ बोहरा ने संचालन करते हुए आयोजन की सफलता में सहयोग करने वाले ट्रस्टियों, सदस्यों, टीम मालिकों, प्रायोजकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

संस्कार सबसे महान धन है जिसको चुराया या बांटा नहीं जा सकता : राष्ट्रसंत कमलमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के शूले स्थित उपाध्याय केवलमुनि जैनोदय ट्रस्ट भवन में विराजित राष्ट्रसंतश्री कमलमुनिजी कमलेश ने अपने प्रवचन में कहा कि जो बच्चों के सामने बुराई अपनाते हैं वह संतान के

सबसे बड़े दुश्मन हैं। संतश्री ने कहा कि जैसा कुएं में पानी होगा वैसा ही बाल्टी में आएगा, वैसे ही जैसे माता-पिता में संस्कार होंगे वही संस्कार बच्चों के जीवन में होंगे। उन्होंने कहा कि राम जैसा बेटा चाहिए तो पहले स्वयं को दशरथ बनना पड़ेगा। अच्छा बनाने के लिए मेहनत करनी पड़ती है, बुराइयां तो अपने आप घुसपैठ की भांति प्रवेश कर जाती हैं। मुनि कमलेशजी ने कहा कि माता-पिता के संस्कारों का प्रभाव गर्भ में शुरू हो जाता है, जैसे वीर अभिमन्यु ने चक्रव्यूह की रचना मां के पेट में ही सीखी थी, आज का विज्ञान भी इस बात को स्वीकार कर रहा है।ङ्क संतश्री ने कहा कि पैतृक संस्कार सबसे मजबूत और ठोस होते हैं, नींव के पत्थर की तरह होते हैं जिस पर चरित्र की मंजिल खड़ी की जा सकती है। संस्कार सबसे महान धन है जिसको चुराया नहीं जा सकता, बांटा नहीं जा सकता, उसके अभाव में वरदान भी अभिशाप बन जाता है, धन की बर्बादी, चरित्र का पतन संस्कृति के लिए घातक हो जाता है। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक प्रशिक्षण शिविर बच्चों से पहले माता-पिता का लगाना चाहिए।

संस्कार आत्मा के साथ जन्म जन्मांतर तक चलते हैं जो पुनर्जन्म के रूप में जागृत हो जाते हैं।सक्षममुनिजी व अभिजीतमुनिजी ने मंगलाचरण किया। घनश्याममुनिजी व अक्षतमुनिजी ने सभा को संबोधित किया। महासती सुप्रभातजी ने गुरु भक्ति प्रस्तुत की। वर्धमान स्थानक वासी जैन श्रावक संघ मैसूरु के अध्यक्ष सुभाषचंद्र दरड़ा ने संतश्री के मैसूर चातुर्मास व चातुर्मास प्रवेश की जानकारी दी।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.